सतना
16 फरवरी 2026 सोमवार

दैनिक
मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

महाराष्ट्र के दो जिलों के 21 ठिकानों पर एटीएस की छापेमारी

आतंकी गतिविधियों के शक में तलाशी अभियान

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र आतंकवाद विरोधी दस्ते (एटीएस) ने संदिग्ध आतंकी गतिविधियों की खुफिया जानकारी के मद्देनजर दो जिलों में ताबड़तोड़ तलाशी अभियान चलाया। एटीएस ने यवतमाल और अहिल्यानगर जिलों के 21 ठिकानों पर छापेमारी करते हुए पूछताछ के लिए कई संदिग्धों को हिरासत में लिया है। एक अधिकारी ने बताया कि एटीएस ने आधी रात के आसपास शुरू किए गए छापों में दोनों जिलों में 20 से अधिक स्थानों की तलाशी ली और एक दर्जन से अधिक संदिग्धों को हिरासत में लिया है।

अमेरिका में लापता भारतीय छात्र का शव बरामद, भारतीय दूतावास ने की पुष्टि

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका में एक सप्ताह से भी कम समय पहले लापता हुआ 22 वर्षीय भारतीय स्नातकोत्तर छात्र मृत पाया गया है। भारतीय दूतावास ने यहां यह जानकारी दी। कर्नाटक के रहने वाले और कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले में पढ़ने वाले छात्र साकेत श्रीनिवासैया सोमवार से लापता थे। सैन फ्रांसिस्को स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने स्थानीय समयानुसार शनिवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में छात्र के शव की बरामदगी की पुष्टि की। पोस्ट में कहा गया है, वाणिज्य दूतावास को यह सूचित करते हुए गहरा दुख है कि स्थानीय पुलिस ने लापता भारतीय छात्र साकेत श्रीनिवासैया के शव की बरामदगी की पुष्टि कर दी है। श्रीनिवासैया के प्रियजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए वाणिज्य दूतावास ने कहा कि दूतावास परिवार को सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है जिसमें स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय और पार्थिव शरीर को जल्द से जल्द भारत ले जाने की व्यवस्था करना शामिल है। दूतावास ने कहा, वाणिज्य दूतावास के अधिकारी परिवार के साथ संपर्क में हैं और सभी आवश्यक औपचारिकताओं एवं सेवाओं में उनका सहयोग करेंगे।

ओवैसी बोले-वंदे मातरम वफादारी का टेस्ट ना बने

आरएसएस-बीजेपी भारत को धार्मिक देश बनाना चाहते हैं, संविधान भारत माता की जय से शुरू नहीं होता

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन (AIMIM) चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि वंदे मातरम गाना और इसको सम्मान देना देश से वफादारी का टेस्ट ना माना जाए। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय जनता पार्टी (BJP) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) भारत को एक धार्मिक देश बनाना चाहते हैं। न्यूज एजेंसी ANI को शुक्रवार को दिए इंटरव्यू में ओवैसी ने कहा कि संविधान हम लोग से शुरू होता है, भारत माता की जय जैसे नारों से नहीं। उन्होंने कहा कि आर्टिकल 25 धर्म की आजादी के बुनियादी अधिकार की गारंटी देता है। दरअसल, केंद्र सरकार ने 12 फरवरी को एक आदेश जारी कर राष्ट्रगीत वंदे मातरम को राष्ट्रगान जन गण मन की तरह ही सम्मान देना अनिवार्य कर दिया है। आदेश के मुताबिक राष्ट्रगीत के सभी 6 अंतरे गाए जाएंगे, जिनकी कुल अवधि 3 मिनट 10 सेकेंड है। अब तक मूल गीत के पहले दो अंतरे ही गाए जाते थे।

महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख बोले- टीपू सुल्तान शिवाजी महाराज के बराबर

भाजपा बोली- सपकाल पागल हो चुके हैं; पुणे में पूर्व विधायक के पोस्टर जलाए, एफआईआर

बुलढाणा, एजेंसी। महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल के छत्रपति शिवाजी महाराज की तुलना टीपू सुल्तान से करने पर विवाद बढ़ गया है।

सपकाल ने कहा था- टीपू सुल्तान को शिवाजी महाराज के बराबर मानना चाहिए। वे एक योद्धा और भारत के भूमिपुत्र के रूप में उभरे। उन्होंने कभी भी जहरीली सोच को नहीं अपनाया।

दरअसल, सपकाल 14 फरवरी को बुलढाणा में मालेगांव नगर निगम के डिप्टी मेयर निहाल अहमद के ऑफिस टीपू सुल्तान की तस्वीर हटाने पर हुए विवाद के बारे में बोल रहे थे। उन्होंने ङ्क पर एक पोस्ट में लिखा- छत्रपति शिवाजी महाराज की बहादुरी बेमिसाल है, जबकि टीपू सुल्तान बहादुर और स्वराज्य के प्रेमी थे। शिवाजी महाराज को आदर्श मानकर ही टीपू अंग्रेजों से लड़े। कांग्रेस नेता के बयान को सीएम देवेंद्र फडणवीस ने शर्मनाक बताया है। उन्होंने कहा- कांग्रेस नेता को खुद पर शर्म आनी चाहिए।

भाजपा प्रवक्ता बोले- सपकाल का दिमाग खराब, पागल हुए

कांग्रेस नेता के बयान पर भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि महाराष्ट्र कांग्रेस प्रेसिडेंट का दिमाग खराब हो गया है, वह पागल हो गए हैं। उन्हें इसके लिए माफी मांगनी चाहिए। राहुल गांधी और सोनिया गांधी को उन्हें तुरंत हटा देना चाहिए।

विवाद हुआ तो सपकाल ने सफाई दी :हर्षवर्धन सपकाल ने कहा कि मुझसे जो मूल प्रश्न पूछा गया था, मेरा वक्तव्य उसी संदर्भ में है। मेरे बयान को तोड़-मरोड़कर दिखाने का जो प्रयास किया जा रहा है, वह निंदनीय है।

उन्होंने कहा कि मैं चर्चा के लिए तैयार हूं। जो प्रश्न पूछा गया था, मेरे उत्तर के संदर्भ में ही मेरा बयान है। जहां तक शिवाजी महाराज की बात है तो उनकी तुलना किसी से नहीं की जा सकती।

फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों का तीन दिवसीय भारत दौरा

- पीएम मोदी से होगी मुलाकात, एआई-इनोवेशन पर होंगे अहम समझौते

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और फ्रांस के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों भारत आ रहे हैं। वह अपनी पत्नी ब्रिगिट मैक्रों के साथ तीन दिवसीय दौरे पर रहेंगे। यह दौरा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पिछली फ्रांस यात्रा के बाद हो रहा है। मैक्रों का यह दौरा कई मायनों में अहम माना जा रहा है।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, राष्ट्रपति मैक्रों 16 फरवरी की देर रात करीब 11:30 बजे मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहुंचेंगे। उनके दौरे के आधिकारिक कार्यक्रमों की शुरुआत 17 फरवरी से होगी। इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच कई अहम मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है।

मुंबई और दिल्ली में कई कार्यक्रम

17 फरवरी को राष्ट्रपति मैक्रों की मुलाकात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से होगी। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच कई समझौतों का आदान-प्रदान होगा और एक संयुक्त बयान भी जारी किया जाएगा। शाम को वह होटल ताज महल पैलेस में भारत-फ्रांस इनोवेशन फोरम में हिस्सा लेंगे। इसके बाद रात में गेटवे ऑफ इंडिया पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में भी शामिल होंगे।

एआई समिट और इनोवेशन पर जोर

इस दौरे का बड़ा आकर्षण नई दिल्ली में आयोजित हो रहा एआई इम्पैक्ट समिट है। यह ग्लोबल साउथ में होने वाला पहला एआई समिट है, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। भारत सरकार का मानना है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) देश के विकास, शासन और सार्वजनिक सेवाओं को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभा सकता है। इस दौरे के दौरान दोनों नेता भारत-फ्रांस ईयर ऑफ इनोवेशन का भी उद्घाटन करेंगे, जिसे 2026 तक मनाया जाएगा।

शाह ने राहुल को दी चुनौती

ट्रेड डील को लेकर लगाया गुमराह करने का आरोप, कहा- किसी भी मंच पर कर लें बहस

अहमदाबाद, एजेंसी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को गुजरात के गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर में भारत की पहली सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) आधारित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी पर जमकर प्रहार किया और अमेरिकी व्यापार समझौते (ट्रेड डील) पर देश की जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया।

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि राहुल गांधी देश को गुमराह कर रहे हैं कि यूरोपीय यूनियन, इंग्लैंड के साथ एफटीए और अमेरिका के साथ हुई ट्रेड डील में पीएम मोदी ने किसानों के हित को नुकसान पहुंचाया है। मैं राहुल गांधी को चैलेंज देना चाहता हूं, कोई भी मंच तय कर लीजिए, भाजपा के युवा मोर्चा का अध्यक्ष आकर बहस कर लेगा कि किसानों का नुकसान किसने किया है।

राहुल गांधी झूठ बोलकर गुमराह कर रहे हैं :उन्होंने कहा कि मैं देश के किसानों से कहना चाहता हूं कि राहुल गांधी झूठ बोल रहे हैं और आपको गुमराह कर रहे हैं। इंग्लैंड और यूरोपीय यूनियन के साथ हुए एफटीए और अमेरिका से हुई ट्रेड डील में पीएम मोदी ने किसानों के हितों की सुरक्षा की है। तीनों समझौतों में डेयरी क्षेत्र को भी पूरी तरह सुरक्षा देने का काम प्रधानमंत्री मोदी ने किया है। इसके माध्यम से हमारे कृषि उत्पाद और मत्स्य उत्पादों को दुनिया के बाजार में पहुंचाने का रास्ता भी खोला है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि मैं फिर से एक बार भारत के मछुआरों, पशुपालकों और किसानों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कभी भी आपके हितों के साथ समझौता नहीं किया है, न ही कर सकते हैं, यह असंभव है। यह काम तो मनमोहन सिंह की सरकार ने डंकल प्रस्ताव पर साइन करके किया था। देश की जनता ने 2014 में कांग्रेस को टाटा बाय-बाय कर दिया, पीएम मोदी आए और उस समझौते को बदल दिया। मनमोहन सरकार ने पूरे विश्व के लिए भारत का कृषि बाज़ार खोल दिया था। आज पीएम मोदी किसानों की सुरक्षा के लिए चट्टान की तरह खड़े हैं।

70 साल में एक बार कर्जमाफी का झुनझुना पकड़ाकर किसानों को गुमराह किया- शाह

उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि इन्होंने 70 साल में एक बार कर्जमाफी का झुनझुना पकड़ाकर किसानों को गुमराह किया। पीएम मोदी ने 10 साल से 6,000 रुपए प्रति वर्ष देकर किसानों को लोन लेने की नौबत ही न आए, ऐसी व्यवस्था की। कांग्रेस का नेतृत्व हमेशा झूठ बोलकर जनता को गुमराह करता रहा है। कांग्रेस के शहजादे राहुल गांधी संसद में किसानों की बात करते हैं। आपने किसानों का कितना अनाज खरीदा था? 10 साल यूपीए सरकार के और 10 साल मोदी सरकार की तुलना करें तो हमने आपसे 15 गुना अधिक अनाज किसानों का एमएसपी पर खरीदा है।

अमेरिका से परमाणु समझौते पर बातचीत के लिए ईरान तैयार

- उप विदेश मंत्री बोले- ट्रम्प प्रतिबंध हटाएं तो डील संभव

वॉशिंगटन डीसी/ तेहरान, एजेंसी। ईरान ने अमेरिका के साथ परमाणु समझौते को लेकर बातचीत करने की इच्छा जताई है। ईरान के उप विदेश मंत्री मजीद तख्त-रवांची ने BBC को दिए इंटरव्यू में कहा कि अगर अमेरिका प्रतिबंध हटाने पर बात करने को तैयार है, तो हम अपने परमाणु कार्यक्रम से जुड़े कई मुद्दों पर समझौता करने के लिए तैयार है।

दोनों देशों के बीच बातचीत का अगला दौर मंगलवार को जिनेवा में होने वाला है। वहीं अमेरिकी अधिकारी बार-बार कहते रहे हैं कि परमाणु वार्ता में प्रगति रुकने की वजह ईरान है, न कि अमेरिका। हालांकि, तख्त-रवांची ने दोहराया कि ईरान अपने बैलिस्टिक मिसाइल प्रोजेक्ट पर अमेरिका से बातचीत नहीं करेगा। यह मुद्दा इजराइल और अमेरिका दोनों उठाते रहे हैं। उन्होंने कहा, 'जब हम पर इजराइल और अमेरिका ने हमला किया तो हमारी मिसाइलों ने हमारी रक्षा की। हम अपनी रक्षात्मक क्षमता से खुद को कैसे वंचित कर सकते हैं?'

अमेरिकी विदेश मंत्री बोले- ईरान के साथ डील करना बहुत मुश्किल : दूसरी ओर, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने शनिवार को कहा था कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प समझौता चाहते हैं, लेकिन ईरान के साथ डील करना बहुत मुश्किल है।

ट्रम्प ने यह भी चेतावनी दी है कि अगर ईरान के परमाणु कार्यक्रम को सीमित करने पर समझौता नहीं हुआ तो अमेरिका सैन्य कार्रवाई कर सकता है। इसके साथ ही अमेरिका ने क्षेत्र में अपनी सैन्य मौजूदगी भी बढ़ाई है।

ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु समझौता एक लंबे समय से चल रही विवादास्पद बातचीत है, जिसका मकसद ईरान के परमाणु कार्यक्रम को सीमित करना है।

खाड़ी देशों में जॉब ट्रैप: पूर्व सैनिकों से जासूसी करा

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई ने भारतीय सेना की संवेदनशील जानकारी जुटाने के लिए अब एक नया और खतरनाक पैंतरा आजमाया है। आईएसआई की नजर अब भारत के पूर्व सैनिकों पर है।

इनकार करने पर टॉर्चर सेल में प्रताड़ना

खाड़ी देशों में सिक्योरिटी गार्ड की ऊंची सैलरी वाली नौकरी का लालच देकर पूर्व सैनिकों को वहां बुलाया जा रहा है और फिर उन्हें जासूसी के दलदल में धकेला जा रहा है। केंद्रीय खुफिया एजेंसियों के मुताबिक, आईएसआई ने खाड़ी देशों..सऊदी अरब, ओमान, कुवैत, कतर और यूएई में अपना एक बड़ा जाल फैला रखा है। भारत के विभिन्न राज्यों में सक्रिय एजेंटों के जरिए ऐसे पूर्व सैनिकों की पहचान की जाती है जिनकी उम्र 50 वर्ष के आसपास है या जो 15 साल की सेवा के बाद रिटायर हुए हैं। इन्हें बेहतर सैलरी, मेडिकल पैकेज और शानदार रहन-सहन का झांसा देकर विदेश भेजा जाता है।

1,000 पूर्व सैनिक निशाने पर : सूत्रों के अनुसार, पिछले कुछ वर्षों में केरल की एक प्लेसमेंट एजेंसी के माध्यम से लगभग एक हजार पूर्व सैनिकों को खाड़ी देशों में भेजा गया है। इस एजेंसी के तार कई अन्य राज्यों से भी जुड़े होने की आशंका है।

भारतीय सेना ने किया अलर्ट :आईएसआई के इन नापाक इरादों को देखते हुए भारतीय सेना ने अपने पूर्व सैनिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। उन्हें सतर्क रहने और संदिग्ध प्लेसमेंट एजेंसियों के झांसे में न आने की सलाह दी गई है। खुफिया रिपोर्ट बताती है कि विदेशी धरती पर होने के कारण कई पूर्व सैनिक जान के डर और भारी दबाव के चलते टूट जाते हैं, जिसका फायदा दुश्मन एजेंसी उठा रही है।

हिरासत से लेकर जेल भेजने तक का खतरा :इनकार करने पर टॉर्चर सेल और किडनैपिंग जो पूर्व सैनिक देश के प्रति वफादारी दिखाते हुए जासूसी से मना करते हैं, उन्हें नरक जैसी स्थिति का सामना करना पड़ता है। आईएसआई ने इसके लिए एकांत हिरासत केंद्र बना रखे हैं। जासूसी के लिए मना करने पर सैलरी रोक दी जाती है। बीमार होने पर इलाज नहीं मुहैया कराया जाता। झूठे केसों में फंसाकर जेल भेजने या अपहरण कर यातनाएं देने की रिपोर्ट भी सामने आई हैं।

महाशिवरात्रि: 12 ज्योतिर्लिंग समेत सभी शिवालयों में दर्शन-पूजा

देश में सबसे पहले महाकाल मंदिर में हुई महाशिवरात्रि की शुरुआत, रात 2:30 बजे खुले पट

उज्जैन, एजेंसी। देशभर में सबसे पहले यहां स्थित महाकाल मंदिर में महाशिवरात्रि की शुरुआत हुई। रात 2:30 बजे मंदिर के पट खोल दिए गए। परम्परा के अनुसार, इस महापर्व की शुरुआत उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान महाकालेश्वर मंदिर से हुई। पट खुलते ही पूजा-अर्चना के बाद भस्म आरती में बाबा महाकाल का भांग-चंदन और त्रिपुंड से राजा स्वरूप में दिव्य श्रृंगार हुआ।

वर्षों से यह परंपरा चली आ रही है कि देश में सभी त्यौहार सबसे पहले भगवान महाकाल के मंदिर में मनाए जाते हैं। भस्म आरती के बाद बाबा महाकाल के दर्शन शुरू हो गए हैं। श्रद्धालु 44 घंटे तक दर्शन कर सकेंगे। सुबह नौ बजे तक एक लाख 35 हजार श्रद्धालु भगवान महाकाल के दर्शन कर चुके हैं। रविवार होने के कारण भीड़ तेजी से बढ़ रही है। 10 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है।

सोमनाथ मंदिर

रात 2:30 बजे प्रथम घंटाल बजाकर मंदिर में प्रवेश किया गया। मंत्रोच्चार के साथ गर्भगृह में स्थापित सभी प्रतिमाओं का पूजन कर हरिओम का जल अर्पित हुआ। कपूर आरती के बाद पंडे-पुजारियों ने जलाभिषेक किया। फिर दूध, दही, घी, शक्कर और फलों के रस से बने पंचामृत से पूजन के बाद बाबा महाकाल को भांग, चंदन और त्रिपुंड अर्पित कर राजा स्वरूप शृंगार किया गया। इसके बाद ज्योतिर्लिंग को कपड़े से ढांककर भस्म रमाई गई। शेषनाग का रजत मुकुट, रजत की मुंडमाल और रुद्राक्ष की माला के साथ-साथ मोगरे और गुलाब से बनी फूलों की माला अर्पित की गई।तड़के हुई भस्म आरती में प्रवेश पासधारी श्रद्धालुओं के साथ-साथ चलित भस्म आरती के दर्शन भी कराए गए। महाकाल मंदिर समिति का दावा है कि पर्व के दौरान औसतन 40 मिनट में दर्शन कराए जा रहे हैं। परंपरा के अनुसार महाकाल को दिनभर जल अर्पित किया जाएगा। चार पहर की पूजा के चलते मंदिर रात भर खुला रहेगा और 16 फरवरी की रात शयन आरती के बाद करीब 10:45 बजे मंदिर के पट बंद होंगे। यानी करीब 44 घंटे लगातार महाकाल के दर्शन होंगे।

इस बार महाशिवरात्रि पर महाकाल मंदिर को दक्षिण भारत के नटराज मंदिर की थीम विदेशी फूलों से सजाया गया है। आंगन में रंग-बिरंगी रंगोलियां बनाई गई हैं। इसके साथ ही पूरे महाकालेश्वर मंदिर में जगमग रोशनी लगाई गई है। उज्जैन कलेक्टर रोशन कुमार सिंह ने बताया है कि मंदिर में पूजा करने के लिए बड़ी संख्या में भक्त आ रहे हैं। भस्म आरती में भी भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे हैं। भक्तों को कोई परेशानी न हो, इसके लिए सही इंतजाम किए गए हैं।

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के स्मारकों पर बुलडोजर ऐक्शन, सुरक्षाबलों ने 5 स्मारकों को ध्वस्त किया

बीजापुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सल विरोधी अभियान के तहत सुरक्षा बलों ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अलग-अलग थाना क्षेत्रों में माओवादियों द्वारा बनाए गए कुल पांच अवैध स्मारकों को ध्वस्त कर दिया। यह कार्रवाई जिले के दक्षिण बस्तर क्षेत्र में चलाए जा रहे सघन अभियान के दौरान की गई। शनिवार को मिली आधिकारिक जानकारी के अनुसार तर्रेम थाना क्षेत्र के अंतर्गत मंडीमरका के जंगल में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की 168 एवं 153 वाहिनी की संयुक्त टीम ने सर्च अभियान के दौरान माओवादियों द्वारा निर्मित एक स्मारक को चिन्हित कर उसे सुरक्षा मानकों के अनुरूप ध्वस्त किया। इसी तरह उसूर थाना क्षेत्र में दो अलग-अलग स्थानों पर यह कार्रवाई की गई। मारूड़बाका के जंगलों में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की 229 वाहिनी और कोबरा 204 की संयुक्त टीम ने माओवादियों के दो स्मारक ढहाए। वहीं, पाउरगुड़ा और सिंगनपल्ली के जंगल क्षेत्र में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की 229 वाहिनी ने कार्रवाई करते हुए दो अन्य अवैध माओवादी स्मारकों को नष्ट कर दिया। पुलिस के अनुसार माओवादी इन स्मारकों का उपयोग अपने प्रचार-प्रसार और स्थानीय लोगों पर मनोवैज्ञानिक प्रभाव डालने के लिए करते थे। इन्हें ध्वस्त करने से माओवादियों के मनोबल पर बड़ा झटका लगा है। यह कार्रवाई क्षेत्र में माओवादी विरोधी अभियानों को और प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। सुरक्षा बलों द्वारा क्षेत्र में सर्चिंग और एरिया डॉमिनेशन का अभियान लगातार जारी है। अधिकारियों ने बताया कि माओवादियों के खिलाफ इसी तरह की कठोर कार्रवाई भविष्य में भी जारी रहेगी।

बेंगलुरु में जिंदल फ्लाईओवर के पास हादसा; बस से टकराई तेज रफ्तार कार, 5 लोगों की मौत

बेंगलुरु, एजेंसी। बेंगलुरु के जिंदल फ्लाईओवर के पास शनिवार देर रात भयानक सड़क दुर्घटना में 5 लोगों की मौत हो गई। तेज रफ्तार से आ रही कार अनियंत्रित होकर पहले रोड डिवाइडर से टकराई और फिर पलटते हुए सामने से आ रही कर्नाटक स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन बस से जोरदार भिड़ंत कर दी। यह दुर्घटना लगभग 11:30 बजे के करीब हुई, जब रात का ट्रैफिक थोड़ा कम था, लेकिन तेज रफ्तार के चलते हादसा हो गया। दुर्घटना स्थल पर मौजूद पुलिस अधिकारियों के अनुसार, विपरीत दिशा में आ रही बस में कुल लगभग 40 से अधिक यात्री सवार थे, लेकिन कार की गंभीर टक्कर के कारण मौके पर पांच लोगों की मौत हुई और कई बस सवार यात्रियों को मामूली चोटें आईं। मृतकों की पहचान अभी तक पूरी तरह से नहीं हो पाई है, लेकिन शुरुआती घटनाओं के अनुसार उनमें से कुछ डोड्डाबल्लापुर के निवासी युवा थे। पुलिस ने बताया कि हादसे की प्राथमिक वजह तेज गति और नियंत्रण खो देना माना जा रहा है।

घायलों का चल रहा इलाज : कर्नाटक पुलिस ने घटनास्थल पर फैली तबाही को देखकर कहा कि यह दुर्घटना एक चेतावनी है कि सड़कों पर और वाहन चालकों के लिए गति नियंत्रण कितना महत्वपूर्ण है। बेंगलुरु पुलिस और आपातकालीन सेवाएं तेजी से मौके पर पहुंचीं और घायल यात्रियों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया। साथ ही मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और आगे की पहचान व परिवार को सूचना देने का कार्य जारी है। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि कार चालक ने डिवाइडर से टकराने के बाद नियंत्रण खो दिया, जिससे वाहन पलट गया और बस से आमने-सामने की टक्कर हुई।

बढ़ते सड़क हादसों का क्या कारण : इस हादसे ने सड़क सुरक्षा को लेकर एक बार फिर गंभीर चिंता पैदा कर दी है। विशेषज्ञों और यातायात पुलिस ने कहा है कि अगर गति नियमों का पालन, सीट बेल्ट जैसे सुरक्षा उपायों और सड़क स्थितियों का ध्यान रखा जाए तो ऐसे भयावह हादसों को काफी हद तक रोका जा सकता है। राज्य भर में तेजी से बढ़ते वाहनों और बढ़ती गति के कारण सड़क दुर्घटनाएं एक अहम समस्या बन रही हैं। इसलिए सार्वजनिक जागरूकता और कड़ाई से नियमों के पालन की आवश्यकता और भी बढ़ गई है।

बारिश या बर्फबारी की कोई बड़ी संभावना नहीं, 24 फरवरी तक पूरे जम्मू-कश्मीर में बड़े पैमाने पर शुष्क मौसम की स्थिति का अनुमान

श्रीनगर, एजेंसी। मौसम विज्ञान केंद्र श्रीनगर ने 24 फरवरी तक पूरे जम्मू-कश्मीर में बड़े पैमाने पर शुष्क मौसम की स्थिति का अनुमान लगाया है इस अवधि के दौरान बारिश या बर्फबारी की कोई बड़ी संभावना नहीं है। मौसम कार्यालय के अनुसार, केंद्र शासित प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में 15 और 16 फरवरी को मौसम आमतौर पर शुष्क रहने की उम्मीद है। हालाँकि, 16 फरवरी की रात और 17 फरवरी की सुबह के दौरान अलग-अलग ऊंचाई वाले स्थानों पर हल्की बर्फबारी होने की संभावना है। 18 से 24 फरवरी तक, मौसम मुख्यतः शुष्क रहने की संभावना है, जिससे इस मौसम की शुरुआत में क्षेत्र के कुछ हिस्सों को प्रभावित करने वाली बार-बार की सर्दियों की गड़बड़ी से राहत मिलेगी। लंबे समय तक धूप खिलने से दिन के तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी होने की उम्मीद है, जबकि रातें ठंडी रह सकती हैं खासकर अधिक ऊंचाई वाले इलाकों में। मौसम विभाग ने आगे संकेत दिया है कि 25 और 26 फरवरी को आमतौर पर आसमान में बादल छाए रह सकते हैं, साथ ही अलग-अलग स्थानों पर हल्की बारिश या बर्फबारी की संभावना है। इसके बाद 27 और 28 फरवरी को शुष्क मौसम फिर से शुरू होने की संभावना है। अधिकारियों ने अभी तक कोई प्रमुख मौसम संबंधी सलाह जारी नहीं की है। हालाँकि, ऊंचे स्थानों पर जाने वाले यात्रियों को स्थानीय पूर्वानुमानों से अपडेट रहने की सलाह दी गई है, खासकर संभावित हल्की बर्फबारी की संक्षिप्त अवधि के दौरान।

दो ट्रॉली बैग से भारी मात्रा में गांजा बरामद, एक गिरफ्तार

सिलीगुड़ी, एजेंसी। सिलीगुड़ी मेट्रोपोलिटन पुलिस के डिटेक्टिव डिपार्टमेंट को बड़ी सफलता मिली है। गुप्त सूचना के आधार पर शनिवार रात महानंदा ब्रिज के नीचे अभियान चलाकर एक व्यक्ति को भारी मात्रा में गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान कोलकाता निवासी भरत कुमार दास (38) के रूप में हुई है। आरोपित के पास मौजूद दो ट्रॉली बैग से लगभग 21 किलो 800 ग्राम गांजा बरामद किया गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, जांच में सामने आया है कि आरोपित कूचबिहार से दक्षिण बंगाल की ओर मादक पदार्थ की तस्करी की योजना बना रहा था। उससे पहले ही पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उसे दबोच लिया। फिलहाल आरोपित से पूछताछ शुरू कर दी गई है।

आगरा में टला बड़ा हादसा; मेट्रो की क्रेन गिरी, मकान और दुकान ध्वस्त, बाल-बाल बचा परिवार

आगरा, एजेंसी। ताजनगरी आगरा में मेट्रो निर्माण के दौरान शनिवार तड़के बड़ा हादसा होने से टल गया। प्रतापपुरा चौराहे के पास खुदाई कर रही मेट्रो की 25 फीट ऊंची पाइलिंग रिग (क्रेन) अचानक जमीन धंसने से एक ओर जा गिरी। बीयर शाप क्षतिग्रस्त हो गई, उसके ऊपर बना कमरा ध्वस्त हो गया। पुलिस और मेट्रो के अधिकारियों ने तत्काल इस रास्ते को बंद करा दिया। थाना सदर में प्रतापपुरा चौराहे के पास देवीराम स्वीट्स की दुकान है। यहां मेट्रो का एलीवेटेड ट्रैक बनाने का काम चल रहा है। पिलर के लिए जमीन खोदने को पाइलिंग रिंग का प्रयोग हो रहा है। अचानक सड़क का हिस्सा धंस गया।

अचानक गिर गई मेट्रो की क्रेन: जमीन धंसते ही वहां खड़ी करीब 25 फीट की ड्रिल मशीन का संतुलन बिगड़ गया। उसकी शाफ्ट बेकाबू होकर करीब स्थित बीयर शान की छत पर बन कमरे पर गिर गई। छत पर बना कमरा पूरी तरह मलबे में बदल गया। साथ ही बीयर दुकान की छत भी क्षतिग्रस्त हो गई। छत पर रखी पानी की टंकी टूट गई। अचानक हुए धमाके से आसपास के घरों में सो रहे लोग

जाग गए। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस और मेट्रो के अधिकारी मौके पर पहुंच गए। एहतियात के तौर पर इलाके की घेराबंदी कर दी गई। मशीन को क्रेन से भी हटाया गया। प्रशासन और दूसरी एजेंसियां जमीन धंसने के कारणों की जांच कर रही हैं। फिलहाल हालात काबू में हैं और निर्माण स्थल पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

कैसे काम करती है पाइलिंग रिग मशीन : पाइलिंग रिग (क्रेन) दरअसल युद्ध में प्रयोग होने वाले टैंक की तरह होती है। इसकी निचला हिस्सा बेहद भारी होता है। मशीन के आगे लगा ड्रिल बट मिट्टी को काटता है। यह लोहे की चेन से ऊपर-नीचे जाता है। आम तौर पर मेट्रो के पिलर के लिए 15 से 40 मीटर गहराई तक खुदाई की जाती है। दूसरे शब्दों में जब तक जमीन के नीचे मजबूत चट्टानी परत न मिल जाए, खुदाई होती रहती है। इसी चट्टानी परत पर मेट्रो के पिलर को टिकाया जाता है। बेस के लिए करीब 100 फुट चौड़ा गहरा गड्ढा बनाया बनाया जाता है। इसी तल पर लोहे की सरिया, कांक्रीट से मजबूत जाल बनाया जाता है। इसके ऊपर पिलर खड़ा किया जाता है।

बाल-बाल बचा मकान मालिक का परिवार : मशीन प्रभुकांत नागर के मकान पर गिरी थी। उनके घर में आगे की तरफ शराब का ठेका और पीछे की ओर परिवार रहता है। मशीन ठेके की छत पर गिरी। मकान के पिछले हिस्से में सोते हुए लोग तेज धमाके और कंपन से जागकर बाहर आ गए। बाहर देखा तो होश उड़ गए। ठेके पर बना कमरा ध्वस्त हो चुका था। दुकान की छत भी टूट गई थी। मशीन की ऊंचाई ज्यादा होती तो बड़ा नुकसान हो सकता था।

दिन में गिरती मशीन तो भयावह होता हादसा : एमजी रोड, माल रोड, फतेहाबाद रोड, सिकंदरा रोड, रामबाग से कालिंदी विहार रोड पर इसी तरह की तमाम मशीनें लगी हैं। सड़कों के बीचोंबीच काम चल रहा है। दोनों ओर से ट्रैफिक भी आता-जाता है। इनमें बसें, कारें, दोपहिया, आटो जैसे वाहन चल रहे हैं। सोचिए कि दिन में अगर ऐसे स्थानों पर मशीन गिर जाए तो क्या होगा। मेट्रो कार्पोरेशन के सुरक्षा संबंधी दावों पर फिर सवाल लगा दिए हैं।

सड़क के घटिया निर्माण का मामला खुला : मेट्रो रेल कार्पोरेशन का कहना है कि सड़क के नीचे छोटे-छोटे गड्ढे हैं। जब जांच कराई गई तो सड़क के नीचे मलबा और राख निकली है। सड़क की भराई ठीक नहीं की गई। मेट्रो का कहना है कि कानपुर, लखनऊ में इस तरह की दिक्कत नहीं आई है। यह पहला मामला है जबकि सड़क धंस गई। हालांकि अब पाइलिंग पूरी हो गई है।

पूरे शहर में लगी हैं ऐसी 17 पाइलिंग रिग : पिलर के लिए गहरे गड्ढ़ों की खुदाई करने के लिए पूरे शहर में 17 पाइलिंग रिग लगाई गई हैं। जहां निर्माण तेजी से करना होता है वहां इनकी संख्या बढ़ा दी जाती है। काम करने वाली कंपनी मशीन को किराए पर लेती रहती हैं। इस समय सभी निर्माण स्थलों पर कुल 12 मशीन काम कर रही हैं। मेट्रो के मुताबिक पिलर खुदाई का काम लगभग खत्म हो गया है।

ड्राइवर की समझदारी से बड़ा हादसा टला : मेट्रो कार्पोरेशन के मुताबिक क्रेन के ड्राइवर ने बड़ी समझदारी दिखाई। जैसे ही जमीन दरकने लगी तो ड्राइवर ने मशीन को आगे की तरफ बढ़ाना शुरू कर दिया। वह किसी तरह आगे जाना चाहता था। कारण यह कि जहां खुदाई चल रही थी वहां दोमंजिला रिहायशी मकान था।

हिंडन को निर्मल करने की तैयारी, नमामि गंगे मिशन के तहत नालों के 'जहर' पर लगेगी लगाम

नई दिल्ली, एजेंसी। हिंडन को प्रदूषणमुक्त करने की तैयारी तेज हो गई। जल निगम ने डीपीआर तैयार कर मुख्यालय को भेज दी। 630 करोड़ रुपये की इस परियोजना को हरी झंडी मिलते ही केंद्र सरकार को भेज दी जाएगी। इसे स्वीकृति मिलने के बाद योजना की टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाएगी। मौजूदा वक्त में आलम यह है कि औद्योगिक इकाइयों और घरों से निकलने वाला गंदा पानी सालों से हिंडन में गिर रहा है। इससे यह पूरी तरह से प्रदूषित हो चुकी है।

नौ नालों की पहचान : एनजीटी के आदेश पर शासन ने नमामि गंगे मिशन के तहत हिंडन को निर्मल करने के लिए जल निगम को प्रस्ताव बनाने का निर्देश दिया था।

प्रतीकात्मक चित्र

जल निगम ने नगर निगम क्षेत्र के नौ नालों को चिह्नित किया है, जिनसे जहरीला पानी हिंडन में गिर रहा है। जल निगम ने इसकी डीपीआर तैयार कर ली है।

सभी नाले किए जाएंगे टैप: इसके तहत हिंडन में गंदा पानी गिराने वाले सभी नाले टैप किए जाएंगे। पाइपलाइन से गंदा पानी एसटीपी पर लाया जाएगा और यहां शोधित करने के बाद इस पानी को हिंडन में छोड़ा जाएगा। डीपीआर जल निगम ने लखनऊ स्थित मुख्यालय भेजी है। इसी महीने तक हरी झंडी मिलने की उम्मीद है।

बायोडायवर्सिटी पार्क के पास एसटीपी बनेगा : डीपीआर में सात नालों की टैपिंग शामिल है, क्योंकि करेहड़ा के पास हिंडन में गिर रहे दो नालों को 331 करोड़ रुपये की सीवर योजना के तहत ही टैप कर लिया जाएगा।

140 एमएलडी का एसटीपी बनाने के लिए बायोडायवर्सिटी पार्क के पास 40 हजार वर्गमीटर जमीन चिह्नित कर ली गई है। नगर निगम से मिली जमीन का जल निगम ने सत्यापन भी कर लिया है। जमीन को लेकर कोई विवाद भी नहीं है। ऐसे में योजना का कार्य केंद्र से स्वीकृति मिलते ही शुरू कर दिया जाएगा।

जलीय जीवों को मिलेगा जीवन : जल निगम के सर्वे के मुताबिक इस नदी में जलीय जीवन पूरी तरह से समाप्त है। इस कारण आसपास के क्षेत्रों में भूजल भी दूषित हो रहा है। परियोजना के पूरा होने के बाद जलीय जीवों को भी जीवन मिलेगा।

मुख्यालय भेजी गई डीपीआर : जल निगम के अधिशासी अभियंता अरुण प्रताप सिंह ने कहा कि डीपीआर मुख्यालय भेजी है। मंजूरी मिलते ही इसे केंद्र को भेजा जाएगा। इसमें निर्माण कार्य के साथ रखरखाव का भी प्रावधान किया गया है।

15 साल के लिए रखरखाव की जिम्मेदारी होगी : डीपीआर में जल निगम ने 15 साल के लिए रखरखाव का भी प्रावधान किया है। जल निगम और नगर निगम दोनों के पास कर्मचारियों की संख्या बेहद कम है, इसीलिए रखरखाव का प्रावधान किया गया है।

असम में चार नए हवाई अड्डे बन रहे हैं: मुख्यमंत्री सरमा

गुवाहाटी, एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने रविवार को राज्य में विमानन अवसंरचना से संबंधित प्रमुख पहलों की घोषणा की। उन्होंने मोरान स्थित आपातकालीन लैंडिंग सुविधा (ईएलएफ) को महत्वपूर्ण राष्ट्रीय सुरक्षा संपत्ति बताया और कहा कि इसे महत्त्वहीन नहीं समझा जाना चाहिए। पत्रकारों से बात करते हुए सरमा ने कहा कि राज्य सरकार ने क्षेत्रीय संपर्क को मजबूत करने के लिए असम में चार नए हवाई अड्डों को विकसित करने की योजना बनाई है। प्रस्तावित हवाई अड्डे माजुली, दीफू, उमरांगसो और मानस में बनेंगे, जो दूरस्थ और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रों में हवाई संपर्क को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

रुबियो ने जेलेंस्की से की मुलाकात, कहा- रूस-यूक्रेन युद्ध का स्थायी अंत चाहते हैं ट्रंप

म्यूनिख, एजेंसी। म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन के दौरान अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की के बीच अहम मुलाकात हुई। इस बैठक के बाद रुबियो ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध को हमेशा के लिए खत्म करना चाहते हैं। ट्रंप एक ऐसा समाधान तलाश रहे हैं जिससे क्षेत्र में हो रहा युद्ध पूरी तरह रुक जाए।

जेलेंस्की ने रुबियो को दी मौजूदा हालात की जानकारी: इस मुलाकत के दौरान राष्ट्रपति जेलेंस्की ने रुबियो को युद्ध के मैदान के ताजा हालात की जानकारी दी।

उन्होंने रुबियो के साथ यूक्रेन के बिजली और ऊर्जा सिस्टम पर रूसी हमलों के असर पर भी चर्चा की। दोनों नेताओं ने यह भी चर्चा की कि कड़ाके की ठंड के दौरान यूक्रेन के नागरिकों की जान कैसे बचाई जाए और देश की मजबूती को कैसे बढ़ाया जाए। मुलाकत के दौरान दोनों नेताओं ने सुरक्षा गारंटी और आर्थिक सुधारों के मुद्दों पर भी बात की।

जेलेंस्की ने जताया आभार: यह मुलाकात जिनेवा में होने वाली एक महत्वपूर्ण त्रिपक्षीय बैठक से ठीक पहले हुई है। 17 और 18 फरवरी को जिनेवा में यूक्रेन, रूस और अमेरिका के प्रतिनिधि की आपस में बातचीत होने की उम्मीद है। जेलेंस्की को उम्मीद है कि यह शांति वार्ता सफल और फायदेमंद रहेगी। उन्होंने अमेरिका के सकारात्मक रवैये के लिए आभार व्यक्त किया। इससे पहले जेलेंस्की ने राष्ट्रपति ट्रंप के विशेष दूतों स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर से भी जिनेवा बैठक को लेकर चर्चा की। उन्होंने बताया कि उनकी टीम अगले हफ्ते यूक्रेन का पक्ष मजबूती से रखेगी। गौरतलब है कि इससे पहले जनवरी में अबू धाबी में भी इन तीनों देशों के बीच बातचीत का एक दौर हो चुका है।

जिनेवा में होगी अगली बैठक: जिनेवा में होने वाली इस अगली बैठक में रूसी दल का नेतृत्व राष्ट्रपति के सहयोगी व्लादिमीर मेडिंस्की करेंगे। जेलेंस्की ने अमेरिका और वहां के लोगों से मिल रहे बड़े सहयोग के लिए शुक्रिया अदा किया।

अल-फाशेर में तीन दिन तक हिंसा में मारे गए 6000 से अधिक लोग

काहिरा, एजेंसी। सूडान के दारफुर क्षेत्र में एक अर्धसैनिक समूह ने अक्तूबर के अंत में तीन दिनों तक अत्यधिक हिंसा की। इसकी भयावहता और क्रूरता हैरान करने वाली थी। इस हिंसा में छह हजार से अधिक लोग मारे गए थे। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) ने यह जानकारी दी है। यूएन का कहना है कि सूडान के अल-फाशेर में रैपिड सपोर्ट फोर्सेस (आरएसएफ) के हमले में तीन दिनों में कम से कम छह हजार लोग मारे गए। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने शुक्रवार को रिपोर्ट जारी की। इस रिपोर्ट में कहा गया कि अल-फाशेर शहर पर कब्जा करने के लिए हमले में आरएसएफ बड़े पैमाने पर ऐसे अत्याचारों में शामिल था, जो युद्ध और मानवता के खिलाफ अपराधों की श्रेणी में आते हैं।

अपराधियों को सजा न मिलने हिंसा को मिल रहा बढ़ावा : संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने कहा, अल-फाशेर पर आखिरी हमले में

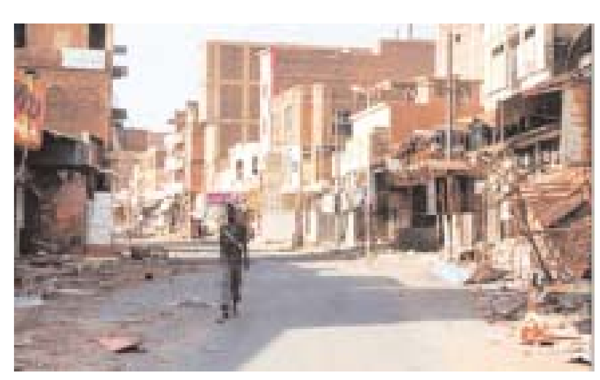

आरएसएफ और उसके सहयोगी अरब मिलिशिया की ओर से किए गए मनमाने अपरा दिखाते हैं कि अपराध के लिए सजा न देने से हिंसा के निरंतर चक्र को बढ़ावा मिलता है।

अपराधियों को सजा न मिलने हिंसा को मिल रहा बढ़ावा: आरएसएफ और उसके सहयोगी अरब समूहों ने 26 अक्तूबर को अल-फाशेर पर कब्जा कर लिया था। इन अरब समूहों को जनजावीद कहा जाता है। अल-फाशेर दारफुर में सूडानी सेना का आखिरी किला था। 18 महीनों की घेराबंदी के बाद आरएसएफ ने शहर और आसपास के इलाकों में लूटपाट की और जमकर हिंसा फैलाई।

रिपोर्ट में सामूहिक हत्या और यौन हिंसा जैसे गंभीर अपराध का जिक्र : संयुक्त राष्ट्र की 29 पन्नों की रिपोर्ट में कई खौफनाक अपराधों का विवरण दिया गया। इसमें सामूहिक हत्या, तुरंत फांसी, यौन हिंसा, फिरौती के लिए अपहरण, यातना और दुर्व्यवहार, हिरासत और गुमशुदगी शामिल हैं।

युवराज पहलवी की अपील पर म्यूनिख में जुटे 2.5 लाख लोग

म्यूनिख, एजेंसी। जर्मनी के म्यूनिख शहर में चल रहे सुरक्षा सम्मेलन के दौरान ईरान की सरकार के खिलाफ बड़ा प्रदर्शन हुआ। पुलिस के मुताबिक, इस विरोध प्रदर्शन में करीब 2,50,000 लोग शामिल हुए। यह रैली ईरान के निर्वासित क्राउन प्रिंस रेजा पहलवी की उस अपील का नतीजा थी, जिसमें उन्होंने तेहरान पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ाने की मांग की थी।

प्रदर्शनकारियों ने नारे लगाकर किया विरोध प्रदर्शन : म्यूनिख की सड़कों पर प्रदर्शनकारियों ने ढोल बजाकर और सरकार बदलने के नारे लगाकर विरोध किया। यह प्रदर्शन पहलवी के 'ग्लोबल डे ऑफ एक्शन' का हिस्सा था, जिसका मकसद ईरान में हो रहे विरोध प्रदर्शनों को अंतरराष्ट्रीय समर्थन दिलाना है। ऐसी ही रैलियों की अपील लॉस एंजिल्स और टोरंटो में भी की गई थी। प्रदर्शन में लोग 1979 की

क्रांति से पहले वाले ईरान के झंडे लहरा रहे थे, जिन पर शेर और सूरज के निशान बने थे।

क्या बोले रेजा पहलवी : एक मीडिया वार्ता में रेजा पहलवी ने चेतावनी दी कि अगर दुनिया के लोकतांत्रिक देश ईरान में हो रहे दमन पर चुप रहे, तो वहां और भी मौतें होंगी। उन्होंने सवाल किया कि क्या इस खतरे के समय में दुनिया ईरान के लोगों के साथ खड़ी होगी? उन्होंने कहा कि अगर ईरानी सरकार टिकी रहती है, तो यह दुनिया के हर तानाशाह को संदेश देगा कि लोगों को मारकर सत्ता बचाई जा सकती है।

इस रैली में एक खास बात यह रही कि कई प्रदर्शनकारियों ने 'मेक ईरान ग्रेट अगेन' लिखी हुई लाल टोपियां पहनी थीं। यह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 'मागा' टोपी की तरह थी। अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने भी इस रैली को संबोधित किया और वे भी यह टोपी हाथ में लिए नजर आए।

साइप्रस के निकोसिया में भी हुआ विरोध प्रदर्शन : प्रदर्शनकारियों ने पहलवी को अपना राजा बताते हुए उनके समर्थन में नारे लगाए। ईरान के हटाए गए शाह का बेटा लगभग 50 साल से देश निकाला में है, लेकिन वह ईरान के भविष्य में खुद को एक खिलाड़ी के तौर पर पेश करने की कोशिश कर रहा है। वहीं साइप्रस के निकोसिया में भी करीब 500 लोगों ने ईरानी सरकार के खिलाफ रैली निकाली।

प्रदर्शनकारियों ने जताई चिंता : ईरान के भीतर के हालात पर चिंता जताते हुए प्रदर्शनकारियों ने कहा कि वहां इंटरनेट बंद है और लोगों की आवाज बाहर नहीं आ पा रही है। मानवाधिकार संस्थाओं के अनुसार, पिछले महीने ईरान में हुए विरोध प्रदर्शनों में कम से कम 7,005 लोग मारे गए हैं, जिनमें 214 सुरक्षाकर्मी भी शामिल हैं। हालांकि, ईरान सरकार ने मरने वालों की संख्या केवल 3,117 बताई है। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी ईरान पर दबाव बढ़ा दिया है और मिलिट्री एक्शन की धमकी दी है। साथ ही उन्होंने संकेत दिया है कि ईरान में सरकार का बदलना सबसे अच्छा विकल्प होगा।

ग्राम ताला के वृद्धाश्रम में आयुष स्वास्थ्य शिविर आयोजित, बुजुर्गों की हुई स्वास्थ्य जांच

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशानुसार एवं जिला आयुष अधिकारी डॉ. बैजनाथ प्रजापति के मार्गदर्शन में ग्राम ताला स्थित वृद्धाश्रम में आयुष विभाग द्वारा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का संचालन डॉ. अजय तिवारी के नेतृत्व में किया गया शिविर में वृद्धाश्रम में निवासरत बुजुर्गों के स्वास्थ्य परीक्षण के साथ उन्हें समग्र स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्रदान की गई शिविर के दौरान डॉ. तिवारी ने उपस्थित बुजुर्गों को समग्र स्वास्थ्य (शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य) के महत्व के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आयुष पद्धति के माध्यम से संतुलित आहार-विहार, नियमित दिनचर्या, पर्याप्त विश्राम, सकारात्मक सोच तथा योग-प्राणायाम अपनाकर वृद्धावस्था में भी स्वस्थ और सक्रिय जीवन जिया जा सकता है उन्होंने विशेष रूप से बदलती जीवनशैली के दुष्प्रभावों और उनसे बचाव के उपायों पर प्रकाश डाला बुजुर्गों द्वारा पूछी गई स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का समाधान स्थानीय भाषा में सरल एवं सहज तरीके से समझाया गया, जिससे उन्हें उपचार और बचाव के उपायों को अपनाने में आसानी हो शिविर में रक्तचाप (बीपी) एवं शुगर परीक्षण सहित सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण किया गया आवश्यकतानुसार आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति से उपचार एवं परामर्श भी प्रदान किया गया तथा आवश्यक औषधियां वितरित की गई इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के अन्य कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

वन अधिकार अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु दो दिवसीय प्रशिक्षण 19 एवं 20 फरवरी को

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने मध्यप्रदेश शासन के जनजातीय कार्य विभाग के निर्देशानुसार वन अधिकार अधिनियम 2006 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए दो दिवसीय कैपेसिटी बिल्डिंग प्रशिक्षण आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। यह प्रशिक्षण विशेष रूप से सामुदायिक वन अधिकार एवं अधिनियम की धारा 3(1) के अंतर्गत सामुदायिक वन संसाधनों के संरक्षण, प्रबंधन और अधिकारों की मान्यता से संबंधित विषयों पर केंद्रित रहेगा प्रशिक्षण अधिनियम के क्रियान्वयन से जुड़े उपखण्ड स्तरीय वन अधिकार समितियों के शासकीय एवं अशासकीय सदस्यों के लिए आयोजित किया जा रहा है जारी आदेशानुसार यह प्रशिक्षण 19 एवं 20 फरवरी 2026 को प्रातः 10 बजे से सायं 6 बजे तक कलेक्ट्रेट सभागार, सीधी में आयोजित होगा प्रशिक्षण कार्यक्रम में कमल किशोर आर्मो, सार्थक त्यागी, सत्यशोभन दास एवं लखन मरावी मास्टर ट्रेनर के रूप में उपस्थित रहकर प्रतिभागियों को अधिनियम की विस्तृत जानकारी देंगे प्रशिक्षण के दौरान अधिनियम के प्रावधानों, दावा प्रक्रिया, सामुदायिक अधिकारों की मान्यता, अभिलेख संधारण तथा वन संसाधनों के सतत उपयोग एवं संरक्षण की कार्यप्रणाली पर विस्तार से चर्चा की जाएगी प्रथम दिवस (19 फरवरी) के सत्र में विभिन्न उपखण्डों के प्रशासनिक अधिकारी, वन विभाग के अधिकारी तथा जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शामिल होंगे द्वितीय दिवस (20 फरवरी) के प्रशिक्षण में जनपद सदस्य एवं अन्य अशासकीय सदस्य भाग लेंगे। इनमें प्रदीप कुमार सिंह, संतोष सिंह गोड, देवव्रत सिंह (जनपद सदस्य सीधी), माया कोल, केमलभान सिंह, सावित्री पनिका (जनपद सदस्य कुसमी) सहित अन्य सदस्य सम्मिलित होंगे।

बढ़ौरा शिव मंदिर में 1.30 लाख भक्तों ने किए दर्शन, महाशिवरात्रि पर जगह-जगह हुए धार्मिक अनुष्ठान

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। बढ़ौरा स्थित प्राचीन शिव मंदिर में महाशिवरात्रि के अवसर पर श्रद्धालुओं का विशाल जनसैलाब उमड़ पड़ा। रविवार को दोपहर 3 बजे तक लगभग 1.30 लाख भक्तों ने भगवान शिव के दर्शन किए मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही सेमरिया, चुरहट, बम्हनी और यातायात थानों के साथ महिला थाना व रिजर्व बल तैनात किया गया था भीड़ नियंत्रण और यातायात को सुचारु बनाए रखने के लिए विशेष इंतजाम किए गए, जिससे दर्शन निर्बाध रूप से संपन्न हुए जिला प्रशासन ने भी आयोजन पर कड़ी निगरानी रखी। जिला कलेक्टर स्वरोचिस सोमवंशी ने बताया कि व्यवस्थाओं की निरंतर निगरानी और त्वरित कार्रवाई के लिए एसडीएम और तहसीलदार की मजिस्ट्रियल ड्यूटी लगाई गई थी महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर मंदिर परिसर में विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। सुबह से ही मुंडन, कनछेदन, पूजा-पाठ और यज्ञ जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए भक्तों में शिवभक्ति का उत्साह स्पष्ट दिखाई दिया और 'हर-हर महादेव' के जयघोष से पूरा क्षेत्र गूंज उठा स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, हजारों वर्षों से पूजित यह मंदिर जिले की आस्था का प्रमुख केंद्र है समाजसेवी प्रभात वर्मा ने बताया कि यहां सच्चे मन से की गई प्रार्थनाएं पूर्ण होती हैं यही कारण है कि सीधी के अलावा सिंगरौली, रीवा, शहडोल और उमरिया सहित दूर-दराज के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं भगवान शिव पर कांवड़ चढ़ाने का महत्व भी इस स्थल की धार्मिक गरिमा को बढ़ाता है।

समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी हेतु किसानों का पंजीयन प्रारंभ

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के उद्देश्य से शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी की व्यवस्था की जाती है इस सिलसिले में गेहूं उपार्जन हेतु किसानों का पंजीयन 07 फरवरी 2026 से प्रारंभ हो चुका है जो 07 मार्च 2026 तक जारी रहेगा किसान एमपी किसान ऐप, ई-उपार्जन पोर्टल तथा ई-उपार्जन मोबाइल ऐप के माध्यम से ऑनलाइन पंजीयन कर सकते हैं इसके अतिरिक्त जिले में प्रस्तावित सभी खरीदी केन्द्रों पर भी पंजीयन की सुविधा उपलब्ध है किसानों से अपील की गई है कि वे निर्धारित खरीदी केन्द्रों में अनिवार्य रूप से ऑनलाइन पंजीयन कराएं क्योंकि केवल पंजीकृत किसानों से ही समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीदी की जाएगी पंजीयन की निःशुल्क सुविधा स्वयं के मोबाइल, कम्प्यूटर, खरीदी केन्द्रों एवं ग्राम पंचायत कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्रों पर उपलब्ध है इसके अलावा एमपी ऑनलाइन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेंटर, लोक सेवा केन्द्र एवं साइबर कैफे में 50 शुल्क देकर भी पंजीयन कराया जा सकता हैइ पंजीयन के समय किसान आधार संख्या से लिंक बैंक खाते का विवरण अवश्य दर्ज करें ताकि भुगतान ऑनलाइन किया जा सके साथ ही बोए गए खेत के खसरा नंबर, ऋण पुस्तिका एवं आधार से लिंक बैंक खाते की जानकारी अनिवार्य होगी बटाईदार एवं सिकमी किसानों के लिए भी ऑनलाइन पंजीयन की सुविधा उपलब्ध है भूमि स्वामी किसान और सिकमी किसान के बीच 02 फरवरी 2026 से पूर्व वैधानिक अनुबंध होने पर ही सिकमी किसान को समर्थन मूल्य पर पंजीयन का अवसर प्रदान किया जाएगा।

नशे में धुत शिक्षक का वीडियो :शिक्षिका ने स्कूल के पैसों में हेराफेरी का आरोप लगाया ग्रामीणों-अभिभावकों में नाराजगी

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। चितरंगी क्षेत्र स्थित प्राथमिक पाठशाला बेलौंही से एक वीडियो सामने आया है। इसमें एक शिक्षक कथित तौर पर नशे की हालत में बच्चों की मेज पर बैठे दिखाई दे रहे हैं वीडियो शनिवार दोपहर का बताया जा रहा है जिसमें स्कूल के खर्चों और बर्तनों की खरीदी को लेकर विवाद हो रहा है वीडियो के दौरान वहां मौजूद एक शिक्षिका शिक्षक से पैसों के हिसाब को लेकर सवाल कर रही हैं शिक्षिका का आरोप है कि स्कूल में बर्तन खरीदने के नाम पर पहले 28 हजार रुपये निकाले गए और बाद में फिर से 7 हजार रुपये निकाल लिए गए उनका कहना है कि इतनी राशि निकालने के बाद भी स्कूल में खाना बनाने के लिए जरूरी बर्तन (कड़ाही) तक उपलब्ध नहीं है शिक्षिका ने वीडियो में स्पष्ट कहा कि बच्चों के लिए आने वाले फंड का गलत इस्तेमाल नहीं होना चाहिए स्कूल परिसर के भीतर शिक्षक का ऐसा व्यवहार और पैसों के लेनदेन में गड़बड़ी की बात सामने आने के बाद बच्चों के भविष्य को लेकर अभिभावक चिंतित हैं ग्रामीणों का कहना है कि स्कूल में इस तरह का माहौल शिक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है इस मामले में निष्पक्ष जांच और उचित कार्रवाई की उम्मीद की जा रही है इस पूरे मामले पर जिला शिक्षा अधिकारी से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उनकी ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान या जवाब नहीं मिल पाया है विभाग की जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि बजट के लेनदेन में हुई गड़बड़ी के दावों में कितनी सच्चाई है सिंगरौली में नशे में धुत शिक्षक का वीडियो: शिक्षिका ने स्कूल के पैसों में हेराफेरी का आरोप लगाया; ग्रामीणों-अभिभावकों में नाराजगी।

पुजारी की छाती पर पैर रखा, बके से गर्दन काटी; चलती हुई मोपेड पर हमला कर गिराया, गले और सीने पर 8 वार

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। 75 वर्षीय पुजारी रविवार सुबह करीब 8 बजे महाशिवरात्रि की पूजा कर मोपेड से घर लौटे रहे थे कुसमी क्षेत्र में बका से हमला कर पुजारी की हत्या कर दी गई मृतक इन्द्रभान द्विवेदी (75) तहसील परिसर स्थित हनुमान मंदिर के पुजारी थे वे रविवार सुबह 8 बजे महाशिवरात्रि की पूजा कर मोपेड से घर लौटे रहे थे इसी दौरान हमलावर ने अचानक चलती मोपेड पर अटैक किया जिससे इन्द्रभान गिर गए हमला अचानक हुआ आसपास मौजूद लोग कुछ समझ नहीं पाए इसके बाद आरोपी लाला केवट (55) ने पुजारी की छाती पर पैर रखा और बके से गर्दन काट दी उसने सीने और गले पर 8 वार किए पुजारी खून से लथपथ होकर तड़प रहे थे वारदात के फौरन बाद आरोपी ने भागने की कोशिश की लेकिन लोगों ने पकड़ लिया वहीं तब तक पुजारी की मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए पुलिस आरोपी लाला केवट को हिरासत में लेकर थाने लाई उससे पूछताछ जारी है मृतक के भतीजे धीरेश द्विवेदी ने बताया कि चाचा रोज हनुमान मंदिर में पूजा करने के लिए जाते हैं और 10 बजे तक लौट आते हैं आज महाशिवरात्रि होने की वजह से पहले ही चले गए थे पूजा के बाद वे सुबह 8 बजे लौट रहे थे इसी दौरान लाला केवट ने चलती हुई गाड़ी मे वार किया पूजा-पाठ करने वालों को परेशान करता था स्थानीय निवासी विष्णु शर्मा ने बताया कि आरोपी लाला केवट का आपराधिक रिकॉर्ड है वह पहले भी कई अपराध कर चुका है स्थानीय वकील राजेंद्र तिवारी ने बताया की पंडित जी की किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी सिर्फ ब्राह्मण होने की वजह से उनकी हत्या की गई है आरोपी शुरू से ही ब्राह्मण से बैर रखता हैउसकी इसी मानसिकता की वजह से पुजारी की जान गई है इतना ही नहीं तहसीलदार लवलेश मिश्रा की हत्या से पहले भी उनके घर जाकर गाली-गलौज और मारपीट की थी मेरे भी साथ इसने तहसील कोर्ट में मारपीट की थी रविवार को पुजारी महाशिवरात्रि की पूजा करने मंदिर गए थे एसपी बोले- एक संदिग्ध को पकड़ा, जांच जारी इन्द्रभान द्विवेदी की हत्या से क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है।

अनियंत्रित होकर ऑटो पलटा 12 यात्री घायल, ट्रक से बचने की कोशिश में हादसा दर्शन करने जा रहे थे

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में एक सड़क हादसे में 12 यात्री घायल हो गए हनुमानगढ़ से जोबा जा रहा एक ऑटो पड़रा बाईपास पर अनियंत्रित होकर पलट गया इस हादसे में एक यात्री की हालत गंभीर बताई जा रही है घटना रविवार दोपहर 1 बजे की है प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक ट्रक से बचने की कोशिश में हादसा हुआ ऑटो चालक ने ट्रक से बचने के लिए वाहन को पटरी के नीचे उतारा, जहां वह सड़क किनारे पड़े एक पत्थर से टकराकर पलट गया हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत घायलों को ऑटो से बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू किया भगवान भोलेनाथ के मंदिर में दर्शन के लिए जा रहे थे यात्री ऑटो में सवार सभी 12 यात्री ग्राम हनुमानगढ़ के निवासी थे और जोबा के पास स्थित भगवान भोलेनाथ के मंदिर में दर्शन के लिए जा रहे थे घायलों में सीमा गोस्वामी, प्रिया गोस्वामी, कुसुम कली, प्रेमवती, राजकुमारी, सुधा, भगवानदीन, रेशमी, अनुष्का गोस्वामी, कीर्ति गोस्वामी सहित दो अन्य शामिल हैं सभी घायलों को इलाज के लिए सीधी के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है जिला अस्पताल में डॉ. विनोद और डॉ. आकाश ने उन्हें प्राथमिक उपचार दिया जमोड़ी थाना प्रभारी दिव्य प्रकाश त्रिपाठी ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह हादसा ऑटो के अनियंत्रित होने के कारण हुआ है पुलिस ने दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है और उस ट्रक की पहचान सहित अन्य सभी पहलुओं की पड़ताल की जा रही है।

चितावल कला में 2 बोलेरो टकराईं, बारात और मुंडन कार्यक्रम में जा रहे 2 लोग

मीडिया ऑडीटरी सिंगरौली (निप्र)। गढ़वा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चितावल कला में रविवार दोपहर करीब 2:00 बजे एक सड़क दुर्घटना हुई गांव के पास एक अंधे मोड़ पर दो बोलेरो वाहनों की आमने-सामने टक्कर हो गई इस हादसे में दो लोग घायल हो गए जानकारी के अनुसार, एक बोलेरो वाहन खटाई गांव से शाहगंज, उत्तर प्रदेश बारात लेकर जा रहा था। वहीं, दूसरी बोलेरो अमिलिया क्षेत्र से कुण्डवसानी धाम की ओर एक बच्चे के मुंडन कार्यक्रम में शामिल होने जा रही थी अंधे मोड़ पर अचानक दोनों वाहन एक-दूसरे के सामने आ गए। चालकों को संभलने का मौका नहीं मिला, जिससे वाहनों की जोरदार भिड़ंत हो गई।

रिहायशी इलाके में दिखा जंगली जानवर, ग्रामीणों में दहशत वन विभाग ने बताया जंगली बिल्ली सावधानी बरतने की अपील

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। ग्राम गहिलगढ़ पश्चिम में एक जंगली जानवर दिखने से हड़कंप मच गया है रविवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में इस जानवर को इंसानी बस्ती के पास घूमते देखा गया जिसे कई लोग सोशल मीडिया पर तेंदुआ बता रहे हैं वहीं वन विभाग ने उसे जंगली बिल्ली बता रहा है ग्रामीणों का कहना है कि कोयला खदानों और अन्य गतिविधियों के कारण जंगल कम होते जा रहे हैं इसी वजह से जंगली जानवर भोजन और ठिकाने की तलाश में गांवों की ओर रुख कर रहे हैं लोगों को अपने मवेशियों और बच्चों की सुरक्षा की चिंता सता रही है हालांकि, वन विभाग ने स्थिति का जायजा लिया है सोशल मीडिया पर चल रही तेंदुए की खबरों के बीच वन विभाग ने स्थिति साफ की है मध्यप्रदेश वन विभाग के एसडीओ एनके त्रिपाठी ने बताया कि वीडियो में दिख रहा जानवर तेंदुआ नहीं, बल्कि एक जंगली बिल्ली है उन्होंने जानवर के आकार और चलने के तरीके के आधार पर इसकी पुष्टि की है विभाग के अनुसार यह कोई बड़ा शिकारी जानवर नहीं है एहतियात के तौर पर वन विभाग ने इलाके में निगरानी बढ़ा दी है अधिकारियों ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे रात के समय अकेले बाहर न निकलें साथ ही किसी भी वन्य प्राणी के दिखने पर तुरंत वन विभाग को सूचना देने को कहा गया है।

चितावल कला में दो बोलेरो टकराईं, बारात और मुंडन कार्यक्रम में जा रहे दो लोग घायल; पुलिस जांच में जुटी

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। गढ़वा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चितावल कला में रविवार दोपहर करीब 2:00 बजे एक सड़क दुर्घटना हुई गांव के पास एक अंधे मोड़ पर दो बोलेरो वाहनों की आमने-सामने टक्कर हो गई जानकारी के अनुसार, एक बोलेरो वाहन खटाई गांव से शाहगंज उत्तर प्रदेश बारात लेकर जा रहा था। वहीं, दूसरी बोलेरो अमिलिया क्षेत्र से कुण्डवसानी धाम की ओर एक बच्चे के मुंडन कार्यक्रम में शामिल होने जा रही थी अंधे मोड़ पर अचानक दोनों वाहन एक-दूसरे के सामने आ गए चालकों को संभलने का मौका नहीं मिला, जिससे वाहनों की जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर से दोनों वाहनों को काफी नुकसान पहुंचा दुर्घटना में बोलेरो चालक रामभजन को मामूली चोटें आईं बारात में शामिल दुलारे प्रसाद के हाथ में गंभीर फ्रैक्चर हो गया घायल दुलारे प्रसाद को तुरंत इलाज के लिए चितरंगी स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है घटना की सूचना मिलते ही गढ़वा पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला थाना प्रभारी विद्याबारी तिवारी ने बताया कि हादसे में अन्य किसी व्यक्ति को गंभीर चोट नहीं आई है प्राथमिक उपचार के बाद अन्य सभी लोग अपने-अपने गंतव्य की ओर चले गए पुलिस ने दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात बहाल कराया इस मामले में जांच शुरू कर दी गई हैड्ढ दुर्घटना में कोई जनहानि नहीं हुई।

भारत साइबर तैयारी में आगे, लेकिन खतरे भी तेजी से बढ़ रहे

संपादकीय

साइबर सुरक्षा से जुड़ा जोखिम वर्तमान में देश के उद्योग जगत के समक्ष उत्पन्न सबसे गंभीर खतरा है। फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स ऐंड इंडस्ट्री (फिक्की) और ईवाई के जोखिम सर्वेक्षण 2026 के मुताबिक सर्वे में शामिल 61 फीसदी कारोबारी नेतृत्व ने साइबर सुरक्षा को संस्थागत प्रदर्शन को आकार देने के मामले में प्राथमिक कारक माना। आधे से अधिक प्रतिक्रिया देने वालों ने डेटा चोरी और भीतरी लोगों द्वारा धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों को लेकर चिंता जताई।

आर्टिफिशल इंटेलिजेंस को लेकर बढ़ते तनाव को भी एक अन्य प्रमुख निष्कर्ष पाया गया। करीब 59 फीसदी अधिकारियों ने कहा कि उभरती तकनीक मसलन एआई आदि को अपनाने की धीमी गति के कारण परिचालन प्रभाव बाधित हो रहा है। वहीं करीब 54 फीसदी का मानना है कि एआई से जुड़े नैतिकता और संचालन संबंधी मुद्दों का समुचित प्रबंधन नहीं किया गया है। साइबर जोखिम अब सीधे परिचालन, राजस्व और विश्वास को खतरा पैदा कर रहे हैं। इससे कारोबारी निरंतरता और अंशधारकों के विश्वास को भी नुकसान पहुंच रहा है। इससे यह संकेत भी मिलता है कि एक ओर जहां कंपनियां एआई के महत्त्व को समझ रही हैं वहीं वे उसका जवाबदेह और सुरक्षित इस्तेमाल सुनिश्चित करने के लिए भी जूझ रही हैं।ये निष्कर्ष भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था के व्यापक रुझानों के अनुरूप ही नजर आते हैं। वर्ष 2025-26 की आर्थिक समीक्षा ने उल्लेख किया है कि बढ़ता डिजिटलीकरण, क्लाउड को अपनाने की तेज गति और डेटा के गहन इस्तेमाल वाली तकनीकों के बढ़ते उपयोग ने साइबर सुरक्षा सेवाओं मसलन खतरे की पहचान, जोखिम प्रबंधन और अनुपालन और प्रबंधित सुरक्षा सेवाओं की मांग को बहुत अधिक बढ़ा दिया है। इस बढ़ती मांग ने भारत के साइबर सुरक्षा उद्योग के विस्तार को भी प्रोत्साहित किया है।

नैसकॉम डेटा सिक्योरिटी काउंसिल ऑफ इंडिया के अनुसार, देश में अब 400 से अधिक साइबर सुरक्षा उत्पाद कंपनियां हैं, जिन्होंने 2025 में लगभग 4.46 अरब डॉलर का राजस्व अर्जित किया। राष्ट्रीय स्तर पर, भारत की साइबर तैयारी लगातार बेहतर हुई है। अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ (आईटीयू) द्वारा प्रकाशित ग्लोबल साइबर सुरक्षा सूचकांक 2024 में भारत ने पहली श्रेणी की रैंकिंग हासिल की और 98.49 का स्कोर प्राप्त किया, जिससे वह दुनिया के सबसे साइबर तैयार देशों में शामिल हो गया। हालांकि भारत में जोखिम का परिदृश्य बहुत गहन है। साइबर सुरक्षा कंपनी सेक्राइट द्वारा जारी इंडिया साइबर थ्रेट रिपोर्ट 2026 बताती है कि अक्टूबर 2024 से सितंबर 2025 के बीच 26.5 करोड़ से अधिक साइबर हमले दर्ज किए गए।

जलवायु परिवर्तन की दस्तक सिमटता वसंत और बढ़ती फरवरी की गर्मी

कांतिलाल मांडोत

उत्तर भारत में इस वर्ष फरवरी का महीना अप्रत्याशित गर्मी लेकर आया है। कई शहरों में तापमान 29 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है और लोगों को ऐसा महसूस हो रहा है मानो सर्दी के बाद सीधे मई का मौसम आ गया हो। जिस समय फागुन की मादक बयार बहती थी और दिन में हल्की गर्मी के साथ रात में ठंडक रहती थी उस समय अब तेज धूप और शुष्क हवाएं चल रही हैं। वसंत का संतुलित और सुखद स्वरूप जैसे अचानक सिमट गया है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार फरवरी में तापमान सामान्य से अधिक दर्ज किया जा रहा है। दिल्ली एनसीआर सहित उत्तरी मैदानी क्षेत्रों में न्यूनतम और अधिकतम तापमान दोनों में तेजी से वृद्धि देखी गई है। यह स्थिति केवल एक अस्थायी बदलाव नहीं बल्कि दीर्घकालिक जलवायु प्रवृत्ति का संकेत है। वैश्विक स्तर पर पिछले वर्ष अत्यधिक गर्मी दर्ज की गई और 2025 भी गर्म वर्षों में शामिल रहा। इसका प्रभाव क्षेत्रीय मौसम चक्र पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है।

सीधी गर्मी आने के पीछे कई कारण हैं। वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य ग्रीनहाउस गैसों की बढ़ती मात्रा धरती की सतह से उत्सर्जित ऊष्मा को रोक लेती है जिससे तापमान बढ़ता है। औद्योगीकरण वाहनों की बढ़ती संख्या ऊर्जा की अत्यधिक खपत और जंगलों की कटाई इस प्रवृत्ति को तेज कर रहे हैं। शहरी क्षेत्रों में कंक्रीट और डामर की अधिकता के कारण हीट आइलैंड प्रभाव उत्पन्न होता है जिससे शहरों का तापमान आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से अधिक हो जाता है। सर्दियों में अपेक्षित वर्षा और हिमपात में कमी भी ठंड के प्रभाव को सीमित कर देती है और तापमान तेजी से ऊपर चला जाता है।

वसंत के सिमटने का असर प्रकृति पर स्पष्ट है। पहले सरसों के खेत कई दिनों तक पीले फूलों से लहराते थे और पेड़ों पर नई कोपलें धीरे धीरे खिलती थीं। अब तेज गर्मी के कारण फसल जल्दी पक रही है और फूलों का जीवनकाल कम हो रहा है। अमलतास गुलाब और चमेली की सुगंधित उपस्थिति भी प्रभावित हो रही है। पतझड़ और नई पत्तियों के आने का क्रम असंतुलित हो गया है जिससे परागण प्रक्रिया और जैव विविधता पर प्रभाव पड़ सकता है।

कृषि क्षेत्र के लिए यह परिवर्तन चुनौतीपूर्ण है। समय से पहले तापमान बढ़ने से गेहूं जैसी रबी फसलों की उपज प्रभावित हो सकती है। मिट्टी की नमी जल्दी समाप्त होती है और सिंचाई की मांग बढ़ जाती है। यदि मार्च और अप्रैल में ही लू जैसे हालात बनते हैं तो किसानों की लागत बढ़ेगी और उत्पादन घट सकता है। यह केवल आर्थिक समस्या नहीं बल्कि खाद्य सुरक्षा से जुड़ा प्रश्न भी है।

स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से भी यह स्थिति चिंता का विषय है। यदि फरवरी में ही गर्मी बढ़ती रही तो हीटवेव का खतरा पहले उत्पन्न हो सकता है। बुजुर्ग बच्चों और श्रमिक वर्ग को अधिक सावधानी की आवश्यकता होगी। जल की कमी और बिजली की बढ़ती मांग से सामाजिक दबाव बढ़ सकता है। अस्पतालों में डिहाइड्रेशन और हीट स्ट्रेस के मामलों में वृद्धि की आशंका रहती है। जहां तक आगे ठंड बढ़ने की संभावना का प्रश्न है तो अल्पकाल में पश्चिमी विक्षोभ के कारण कुछ दिनों के लिए बादल और वर्षा हो सकती है जिससे तापमान में हल्की गिरावट आएगी। पश्चिमी हिमालय में वर्षा और बर्फबारी का प्रभाव मैदानी क्षेत्रों तक महसूस हो सकता है परंतु दीर्घकालिक प्रवृत्ति गर्मी की ओर झुकी हुई है। इसलिए यह मानना उचित होगा कि मौसम में अस्थिरता बनी रहेगी और वसंत की पारंपरिक अवधि छोटी होती जाएगी।

निवारण के लिए बहुआयामी प्रयास आवश्यक हैं। कार्बन उत्सर्जन में कमी सबसे महत्वपूर्ण कदम है। सौर और पवन ऊर्जा के उपयोग को बढ़ाना होगा। सार्वजनिक परिवहन और इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन देना चाहिए। वृक्षारोपण और हरित क्षेत्रों का विस्तार स्थानीय तापमान को नियंत्रित करने में सहायक होगा। जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन को प्राथमिकता देनी चाहिए। नीति निर्माण में दीर्घकालिक पर्यावरणीय दृष्टिकोण अपनाना समय की मांग है।

पुलिस का कोई जवान दीवार पर पुताई कर रहा है तो हॉक फोर्स के किसी जवान के हाथ में प्लास्टर करने वाली करनी है। जो अफसर नक्सलियों की घेराबंदी करने और काउंटर फायर का हुक्म देते थे वो अपने उन्हीं जवानों को पेयजल लाईन दुरुस्त करने, मिस्त्री से ठीक से काम करवाने की समझाइश देते दिखते हैं। जी हां.........ये नजारा मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले के नक्सल प्रभावित रहे गांवों के सरकारी स्कूलों का है। उकवा, बैहर, लांजी, किरनापुर आदि क्षेत्रों के नक्सलप्रभावित रहे गांवों में स्थित सरकारी स्कूलों की हालत बद से बदतर हो गई है। नक्सलियों के भय से यहां ना तो निर्माण कार्य हो रहे थे और ना ही पुराने स्कूलों की मरम्मत हो पा रही थी।

जवानों के हाथ में बंदूक की बजाए ब्रश

मुस्ताअली बोहरा

- 300 सरकारी स्कूल भवनों की मरम्मत जनभागीदारी से- इस पहल की जरूरत पूरे देश में बड़ी मुश्किल से शिक्षक पहुंचते थे और शिक्षक आ भी गए थे बच्चे नहीं आते थे। मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले के माथे से नक्सलियों का कलंक मिटते ही पुलिस कप्तान आदित्य मिश्रा ने सुदूर गांवों के सरकारी स्कूलों के मरम्मत का बीड़ा उठाया है। उन्होंने इसके लिए जिले के उद्योगपति, डॉक्टर, शिक्षाविद, बिल्डर्स और अन्य प्रतिष्ठित लोगों का सहयोग लिया है। ऐसे लोगों ने अपनी आर्थिक क्षमता के अनुसार स्कूलों को गोद लिया है। यानि स्कूल में आने वाले खर्च गोद लेने वाला उठाएगा। बताया जा रहा है कि एक स्कूल की मरम्मत के लिए करीब सवा लाख रुपये का खर्च आ रहा है। निगरानी, देख रेख का काम पुलिस विभाग के अधिकारी कर रहे हैं। इस काम में पुलिस विभाग और हॉक फोर्स के जवान भी श्रमदान कर रहे हैं। बालाघाट की इस पहल को यदि पूरे मध्यप्रदेश में अमलीजामा पहनाया जाए तो जर्जर स्कूल भवनों की हालत सुधर जाएगी। और ना सिर्फ मध्यप्रदेश बल्कि देश भर में इस पहल से शिक्षा के क्षेत्र में नई क्रांति आ सकती है।

मध्य प्रदेश का बाालाघाट जिला कभी नक्सलियों की आरामगाह या पनाहगाह रहा है। इस जिले की सीामाएं छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र से लगती हैं। यही वजह है कि नक्सली जब भी सीमावर्ती राज्यों में कहीं किसी बड़ी घटना को अंजाम देते तो वो बालाघाट के जंगलों में आकर छिप जाते थे। वो यहां खुद को महफूज समझते थे। यहां छिपने और आराम करने के अलावा नक्सली बांस कूप, बांस डिपो, महाराष्ट्र सरकार की यात्री बस जलाने, निर्माण कार्य में लगे डम्पर जलाने,पुलिस जवानों पर गोली बारी करने, लैंड माईन बिछाकर विस्फोट करने, पुलिस मुखबिरी के शक में गांव वालों की हत्या करने सहित दर्जनों वारदातों को अंजाम दे चुके हैं। बालाघाट जिला तब राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में आया था जब तत्कालीन वन एवं परिवहन मंत्री लिखीराम कावरे की उनके घर में नक्सलियों ने हत्या कर दी थी। उस वक्त मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह थे। नक्सल उन्मूलन के दौरान कई बार पुलिस जवानों और माओवादियों के बीच कई मर्तबा एनकाउंटर हुए। दर्जनों बार तो नक्सली घने जंगलों की आड़ लेकर भाग खड़े हुए। खैर साढ़े तीन दशक बाद बालाघाट जिला नक्सलमुक्त घोषित हो गया लेकिन नक्सलप्रभावित रहे सुदूर गांवों में विकास करना, जरूरी निर्माण कार्य कराना, बिजली-पानी-सड़क जैसी बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराना अभी भी चुनौती है। उम्मीद तो यही की जा रही है कि अब आदिवासी ग्रामीण अंचलों में तेजी से विकास कार्य होंगे।

बालाघाट मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र की सीमाओं पर स्थित है। यहां नक्सलउन्मूलन के लिए नक्सल ऑपरेशनों के लिए एमपी पुलिस ने डीआरजी और हॉक फोर्स का गठन किया गया। हॉक फोर्स का मुख्यालय भोपाल से बालाघाट के कनकी में शिफ्ट किया गया। डीआरजी, हॉक फोर्स, सीआरपीएफ और कोबरा फोर्स की नक्सलियों के खात्मे में अहम भूमिका रही। दशकों से बालाघाट में जमे नक्सलियों पर नकेल लगाना इतना भी आसान नहीं था। अव्वल तो ये जिला घने जंगलों, पहाड़ों और दर्रो से घिरा हुआ है। दूसरा, इसकी सीमाएं छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र से लगती हैं।

नक्सल उन्मूलन के लिए सुरक्षाबलों द्वारा एक साल में दो हजार से ज्यादा सर्चिंग ऑपरेशन चलाए गए। एमएमसी जोन में सबसे ज्यादा हैं। वहीं छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव और खैरागढ़ में ढाई सौ से ज्यादा और महाराष्ट्र के गोंदिया में डेढ़ दर्जन से ज्यादा ऑपरेशन चलाए गए। जब मध्यप्रदेश में सर्चिंग तेज होती तो नक्सली छत्तीसगढ़ या महाराष्ट्र के सीमावर्ती इलाकों में भाग जाते और जब वहां सर्चिंग तेज होती तो वो बालाघाट आ जाते। जब सुरक्षा बलों ने नक्सलियों को उनके ही क्षेत्र में घेर लिया तो उनके सामने सरेंडर करने या जान देने के अलावा कोई विकल्प ही नहीं बचा। जब नक्सली, पुलिस का गोली का शिकार बनने लगे तो आत्मसमर्पण करने का सिलसिला तेज हो गया। कभी बालाघाट तो कभी छग में नक्सली आत्मसमर्पण करने लगे। करीब साढ़े तीन दशकों तक बालाघाट जिले सहित सीमावर्ती जिलों में दहशत फैलाने वाले नक्सल संगठन का पूरी तरह खात्मा हो गया। दरअसल, भारत में नक्सलवाद के जड़ से खात्मे की डेडलाइन 31 मार्च 2025 है, जबकि मध्य प्रदेश ने नक्सल मुक्त होने का लक्ष्य 26 जनवरी 2026 था। निर्धारित समय से पहले ही 11 दिसंबर 2025 को एमएमसी जोन के अंतिम सक्रिय नक्सली दीपक उर्फ सुधाकर और रोहित उर्फ मंगलू ने बालाघाट में सरेंडर कर दिया। 56 वर्षीय दीपक बालाघाट के पालाघोंदी और 36 वर्षीय रोहित बीजापुर (छत्तीसगढ़) के फतेनार का रहने वाला है। इनके सरेंडर के बाद सीएम डॉ. मोहन यादव ने एमपी के नक्सल मुक्त होने की घोषणा की।

यहां बता दें कि बालाघाट जिले में साल 1990 में नक्सलियों ने अपनी मौजूदगी दर्ज कराई थी। इसके बाद माओवादियों की दहशत बढ़ती गई। साल 1991 में नक्सलियों ने थाना बहेला क्षेत्रान्तर्गत सीतापाला में ब्लास्ट किया था इसमें 9 पुलिसकर्मी शहीद हो गए थे। बालाघाट जिले के सीतापाला थाना में नक्सलियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई थी। इसके बाद नक्सलवाद बालाघाट से मंडला और डिंडोरी तक फैल गया। मालूम हो कि नक्सल विरोधी अभियान में 38 पुलिसकर्मी शहीद हुए। 57 आम नागरिक भी जनशहीद हुए। इस दौरान 45 नक्सली मुठभेड़ में मारे गए और 28 हार्डकोर नक्सली गिरफ्तार किया गए। इस दौरान सुरक्षाबलों के जवानों और आम लोगों सहित 105 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी। नक्सलविरोधी अभियान में हॉक फोर्स, सीआरपीएफ, कोबरा फोर्स, पुलिस जवान के दो हजार से अधिक जवानों ने मोर्चा संभाला। नक्सलउन्मूलन में सबसे बड़ा योगदान हॉक फोर्स का रहा।

पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा के ही ज़हन में ये बात आई कि बालाघाट जिला नक्सलमुक्त तो हो गया लेकिन अभी विकास की चुनौती बाकी है। पुलिस कप्तान आदित्य मिश्रा 2018 बैच के आईपीएस हैं। उन्हें दो बार वीरता पदक से सम्मानित किया जा चुका है। इसके अलावा वे तब चर्चा में आए थे जब उन्होंने कविता सुनाई थी। सितंबर 2020 में पीएम नरेंद्र मोदी ने आईपीएस अधिकारियों के एक कार्यक्रम में ऑनलाइन शिरकत की थी। पीएम मोदी ने आईपीएस अधिकारियों से चर्चा की थी। इस दौरान आदित्य मिश्रा इंदौर में तैनात थे। उन्होंने वर्चुअल मीट में पीएम मोदी के सामने एक कविता सुनाई थी। इस कविता का शीर्षक था मैं खाकी हूं। बालाघाट जिले में बतौर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (बैहर) और एएसपी (नक्सल ऑपरेशन) रह चुके हैं। एएसपी रहते हुए आदित्य मिश्रा ने बालाघाट के बहुचर्चित डबल मनी मामले में खासी सक्रियता दिखाई थी। वे इंदौर में डीसीपी, राजगढ़ जिले में एसपी, इंदौर में पुलिस उपायुक्त पद पर भी रह चुके हैं। आइपीएस मिश्रा मप्र पुलिस के नक्सल विरोधी अभियान के तहत हॉक फोर्स के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) में रहे। मिश्रा ने देखा किनक्सलप्रभावित गांवों में ना तो बुनियादी सुविधाएं हैं और ना ही शिक्षा-स्वास्थ्य जैसी सहुलियत। इन क्षेत्रों के सरकारी स्कूलों के भवन इतने जर्जर हैं कि बच्चे यहां बैठ भी नहीं सकते। किसी भवन की छत टपक रही है तो कहीं दरवाजे ही नहीं है। इसके अलावा इन स्कूलों में शिक्षक भी नियमित नहीं पहुंचते थे। नक्सलियों की दहशत के कारण बच्चे जाते नहीं थे या उनके परिजन उन्हें स्कूल ही नहीं भेजते थे। मिश्रा, शिक्षा की अहमियत बखूबी जानते हैं लिहाजा उन्होंने ऐसे स्कूलों को चिन्हित किया। इसके बाद शहर के रसूखदार लोगों जैसे डॉक्टर, बिजनेसमैन, शिक्षाविद, बिल्डर्स, समाजसेवियों की मीटिंग ली। उन्होंने गुजारिश की कि वो ऐसे स्कूलों को गोद लें और उनकी मरम्मत की जिम्मेदारी उठाएं। एसपी की इस पहल का स्वागत करते हुए इन लोगों ने स्कूलों को गोद लिया। एक शाला भवन की मरम्मत में करीब सवा लाख का खर्च आ रहा है। इसके अलावा, इस काम में पुलिस विभाग, हॉक फोर्स, सीआरपीएफ के अधिकारी और जवान भी मदद कर रहे हैं। ये अफसर और जवान मरम्मत कार्य की निगरानी करने, रॉ मटेरियल संबंधित शाला तक पहुंचाने का काम करते हैं। हॉक फोर्स के जवान तो खुद ही स्कूल की पुताई, पलस्टर, दरवाजों की रिपेयरिंग, छत की रिपेयरिंग आदि का काम कर रहे हैं। इसके अलावा स्कूलों तक बच्चों को लाने के लिए गांव वालों से संवाद किया जा रहा है, शालाओं में सांस्कृतिक कार्यक्रम और अन्य आयोजन किए जा रहे हैं। बच्चों को पढ़ने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। यहां बता दें कि पुलिस कप्तान की इस पहल पर एक सोसायटी बनाई गई है जिसमें शहर के दानदाता, बिजनसमेन, समाजसेवी शामिल हैं।

इस सोसायटी ने तीन सैकड़ा स्कूल भवनों की मरम्मत का बीड़ा उठाया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हाल ही में पुलिस लाईन बालाघाट में 60 जवानों को आउट आफ टर्न प्रमोशन समारोह में सीएम टू सोसायटी सत्र के अंतर्गत विद्यान्जलि से जुड़े दानदाताओं एवं चेंजमेकरों से भेंट की थी। विद्यान्जलि पहल के अंतर्गत जिले के नक्स ल प्रभावित क्षेत्र के 300 शासकीय स्कूलों के कायाकल्पम का संकल्प लिया गया है, जिनमें से 100 स्कूलों का कार्य पूर्ण हो चुका है। यह पहल समाज, प्रशासन और पुलिस के संयुक्त प्रयासों से आगे बढ़ रही है और शिक्षा के क्षेत्र में ठोस बदलाव ला रही है। कार्यक्रम में विद्यान्जलि सोसायटी के पदाधिकारियों सहित सभी दानदाता एवं चेंजमेकर उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने सभी से संवाद करते हुए उनके योगदान की सराहना की और इसे जन-भागीदारी से जन-परिवर्तन का आदर्श मॉडल बताया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा 'विद्यान्जलि' पहल पर आधारित पुस्तक का भी लोकार्पण किया गया। पुस्तक में समाज की सामूहिक शक्ति और शिक्षा के प्रति समर्पण की प्रेरक यात्रा को दर्शाया गया है। ये पहल बालाघाट जिले के लिए ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश और देश के लिए मिसाल है। जैसा बालाघाट में हो रहा है यदि ऐसा हर जिले में हो तो सारे सरकारी स्कूलों की हालत बदल जाएगी और फिर ग्रामीणों के हालात बदलने में देर नहीं लगेगी.....।

दीनदयाल उपाध्याय और दलबदल

इस समय भारतीय जनता पार्टी दीनदयाल उपाध्याय की जयंती मना रही है। दीनदयाल उपाध्याय भाजपा के उन नेताओं में से हैं जिन्होंने भाजपा का पूर्वअवतार जनसंघ की स्थापना की थी। बाद में जनसंघ ने भारतीय जनता पार्टी बनाई, परंतु भाजपा ने दीनदयाल उपाध्याय को ही अपना सर्वश्रेष्ठ प्रेरणा का स्रोत माना और जब तक वे जीते रहे तब तक जनसंघ उनके द्वारा बताए गए आदर्शों पर चलती रही। परंतु कुछ समय के बाद भाजपा ने दीनदयाल जी के बताए हुए सिद्धांतों पर अमल करना काफी हद तक छोड़ दिया और अनेक अवसरवादी तरीकों को अपनाकर सत्ता पर कब्जा किया।

एल.एस. हरदेनिया

इस तरह के मामलों में सबसे बड़ा उदाहरण मध्यप्रदेश का है। कुछ ऐसा चक्रव्यूह चला कि 2023 के चुनाव में कांग्रेस विजय पाने के बावजूद सत्ता में नहीं रह पाई और इस काम में सिंधिया परिवार के ही ज्योतिरादित्य सिंधिया ने प्रमुख भूमिका निभाई। इस तरह ज्योतिरादित्य सिंधिया के सहयोग से मध्यप्रदेश में सत्ता हड़प ली।

सच पूछा जाए तो भारतीय जनता पार्टी दीनदयाल उपाध्याय के आदर्शों पर चलने का दावा खो चुकी है। भाजपा कांग्रेस पर आरोप लगाती है कि वह महात्मा गांधी द्वारा बताए गए मार्ग को त्याग चुकी है। क्या इसी तरह का आरोप भाजपा पर नहीं लगाया जा सकता?

यह मान्यता थी कि दलबदल एक ऐसा संक्रामक रोग है जो हमारी संसदीय व्यवस्था को खोखला कर रहा है। इस रोग की गंभीरता को अन्य लोगों के अलावा जनसंघ के संस्थापक और भारतीय जनता पार्टी के लाखों सदस्यों के प्रेरणास्त्रोत दीनदयाल उपाध्याय ने भी समझा था। उन्हांने 27 फरवरी 1961 को लिखे एक लेख में कहा था कि ''प्रजातंत्र में एक से अधिक पार्टी होना स्वाभाविक है। इन पार्टियों को एक प्रकार के पंचशील को अपनाना चाहिए तभी स्वस्थ परंपराएं कायम हो सकेंगी। यदि वैचारिक और सैद्धांतिक आधार पर दलबदल होता है तो वह कुछ हद तक न्यायोचित माना जा सकता है। अन्य किसी भी आधार पर या कारण से होता है तो उसे उचित नहीं माना जा सकता। यदि ऐसी स्थिति हो कि किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं मिले या बहुत कम अंतर से बहुमत मिले और राजनैतिक दल सत्ता हथियाने के लिए अनैतिक तरीके अपनाकर बहुमत हासिल करने का प्रयास करें तो यह बहुत गलत होगा।

ऐसी स्थितियां उत्पन्न न हों इसलिए स्वस्थ परंपरा कायम करनी चाहिए। ऐसा होने पर स्थायी सरकारें अस्तित्व में रह पाएंगी और राजनैतिक पार्टियां स्वार्थी राजनीतिज्ञों के चंगुल में नहीं फसेंगीं।

यह दुःख की बात है कि भाजपा, जो दीनदयाल उपाध्याय को अपना सबसे प्रमुख प्रेरणास्त्रोत मानती है, अल्पमत में होने के बावजूद बहुमत हासिल करने का प्रयास करती है। आज हमारे प्रदेश में जो हुआ है वह दीनदयाल उपाध्याय के दिखाए मार्ग के एकदम विपरीत है।

दीनदयाल उपाध्याय द्वार निर्मित आचार संहिता के विरूद्ध सत्ता प्राप्त करने का प्रथम प्रयास सन् 1967 में हुआ था। उस समय भी दलबदल कराने में सिंधिया परिवार और जनसंघ की प्रमुख भूमिका थी। सन् 1967 के चुनाव के पूर्व राजमाता विजयाराजे सिंधिया कांग्रेस में थीं। टिकट वितरण एवं कुछ अन्य मुद्दों पर उनके तत्कालीन मुख्यमंत्री पंडित डी. पी. मिश्रा से गंभीर मतभेद हो गए।

राजमाता चाहती थीं कि पूर्व ग्वालियर राज्य के क्षेत्र के उम्मीदवारों का चयन उनकी मर्जी से हो। जब उन्होंने यह शर्त मिश्रजी के सामने रखी तो उन्होंने कहा आप जिस राज्य की बात कर रही हैं वह सन् 1947 में समाप्त हो गया। यह सुनकर राजमाता आक्रोशित हुई। उन्होंने कांग्रेस छोड़ दी और अपनी एक पार्टी बनाकर अनेक सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े किए और जबरदस्त जीत हासिल की। अनेक क्षेत्रों में कांग्रेस उम्मीदवारों की जमानत जप्त हुई। जिन कांग्रेस नेताओं की जमानत जप्त हुई उनमें दिग्गज कांग्रेस नेता गौतम शर्मा भी शामिल थे।

किंतु राजमाता की चुनौती के बावजूद कांग्रेस सत्ता में आ गई और डी. पी. मिश्रा दुबारा मुख्यमंत्री बने। सत्ता खोने के बावजूद राजमाता मिश्रजी का तख्ता पलटने का प्रयास जनसंघ के सहयोग से करती रहीं और अंततः 36 कांग्रेस विधायकों द्वारा पार्टी से त्यागपत्र दिलावकर मिश्रजी का तख्ता पलटने में सफलता हासिल की।

परंतु इस दौरान राजमाता ने अपना स्वतंत्र अस्तित्व कायम रखा और संयुक्त विधायक दल का गठन किया। इस दल में जनसंघ भी शामिल हुई और चुनी हुई सरकार को अपदस्थ करने में भागीदारी की। जनसंघ का यह फैसला दीनदयाल उपाध्याय के दिशा निर्देशों के विपरीत था। कांग्रेस की सरकार को अपदस्थ करने के बावजूद राजमाता ने कोई पद स्वीकार नहीं किया और गोविंद नारायण सिंह को मुख्यमंत्री बनवाया। इससे यह साफ है कि राजमाता ने सिर्फ स्वयं पद पाने के लिए दलबदल नहीं करवाया।

अब माधवराव सिंधिया के राजनैतिक कैरियर पर निगाह डालें। माधवरावजी ने जनसंघ से अपना राजनैतिक कैरियर प्रारंभ किया। जनसंघ में अपनी भूमिका उन्होंने ग्वालियर में आयोजित हुए जनसंघ के विशाल अधिवेशन के स्वागताध्यक्ष के रूप में प्रारंभ की थी। अधिवेशन के दौरान अटलबिहारी वाजपेयी ने घोषणा की कि माधवराव शीघ्र ही जनसंघ में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस संभावना के बावजूद माधवराव ने जनसंघ से नाता तोड़ा और कांग्रेस में बिना शर्त शामिल हुए। कुछ अंतराल के बाद उन्होंने लोकसभा का चुनाव लड़ा और जीता भी। सन् 1984 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने अटलबिहारी वाजपेयी को शिकस्त दी। नरसिंहाराव के प्रधानमंत्रित्वकाल के दौरान जैन डायरी के मुद्दे पर माधवराव ने कांग्रेस छोड़ दी। परंतु इसके बावजूद वे किसी पार्टी में शामिल नहीं हुए वरन् स्वयं एक पार्टी का गठन किया।

इस तरह चाहे राजमाता हों या माधवराव दोनों ने सिर्फ सत्ता या पद की खातिर कांग्रेस से नाता नहीं तोड़ा। परंतु ज्योतिरादित्य ने स्पष्टतः पद न मिलने के कारण कांग्रेस छोड़ी और पद पाने के लिए ही भाजपा में शामिल हुए। भाजपा में शामिल होते ही उन्होंने घोषणा की कि वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश व समाज की सेवा करेंगे।

न सिर्फ ज्योतिरादित्य परंतु अन्य कांग्रेस विधायकों को सत्ता का लालच देकर और दलबदल करवाकर एक बार फिर भाजपा ने दीनदयाल उपाध्याय के निर्देशों का उल्लंघन किया है। (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

0000000

महाशिवरात्रि पर हल्दी रस्म का आयोजन, शिव मंदिरों में उमड़े भक्त; निकलेगी शिव बारात

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। महाशिवरात्रि पर्व की पूर्व संध्या पर नगर के रेलवे कॉलोनी स्थित शिव मंदिर सहित जिले के अलग-अलग शिव मंदिरों में हल्दी रस्म का आयोजन किया गया इस अवसर पर सुबह से ही मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी बड़ी संख्या में श्रद्धालु, विशेषकर महिलाएं, पीले वस्त्र धारण कर मंदिरों में पहुंचीं और भगवान शिव व माता पार्वती की विधिविधान से आराधना की जिले में महाशिवरात्रि से पूर्व हल्दी रस्म मनाने की सालों पुरानी परंपरा है इस रस्म के दौरान महिला श्रद्धालु भगवान शिव को दूल्हे और माता पार्वती को दुल्हन मानकर उन्हें हल्दी का लेप लगाती हैं यह आयोजन शिव-

पार्वती विवाह की स्मृति और मंगलकामना से जुड़ा माना जाता है हल्दी रस्म के दौरान श्रद्धालुओं ने मंदिर परिसर में पूजा-अर्चना की उन्होंने शिवलिंग और माता पार्वती की प्रतिमा पर हल्दी का लेप लगाया महिलाओं ने पारंपरिक गीतों के माध्यम से शिव-पार्वती विवाह प्रसंग का वर्णन किया आयोजन के दौरान मंदिर परिसर में उत्साह का माहौल रहा। महिलाएं और युवा भक्त ढोल-नगाड़ों की धुन पर जयघोष करते दिखे 'हर-हर महादेव', 'बोल बम' और ' नमः शिवाय' के नारे गूंजते रहे। श्रद्धालुओं ने

भगवान शिव से सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की श्रद्धालुओं के अनुसार, महाशिवरात्रि का पर्व केवल पूजा का नहीं, बल्कि आस्था और शिवभक्ति का प्रतीक है हल्दी रस्म के माध्यम से शिव-पार्वती के विवाह की परंपरा को जीवंत रखा जाता है महाशिवरात्रि के दिन भगवान भोलेनाथ की बारात भी निकाली जाएगी।

निरीक्षण पर निकले PMGSY इंजीनियर सड़क हादसे में घायल: इंजीनियर सिम्स रेफर, पुलिस जांच में जुटी

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। रतनपुर में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत सड़क निरीक्षण पर निकले इंजीनियर शनिवार गंभीर सड़क दुर्घटना का शिकार हो गए वे स्कूटी से बेलगहना की ओर साइट का जायजा लेने जा रहे थे बताया जा रहा है कि जैसे ही वे हाइवे से मुड़कर रतनपुर की तरफ गए तभी सामने से तेज रफ्तार स्विफ्ट डिजायर कार आई और उन्हें जोरदार टक्कर मार दी टक्कर इतनी भीषण थी कि इंजीनियर सड़क पर दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया जिससे लोगों में आक्रोश व्याप्त है प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कुछ पल के लिए घटनास्थल पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया पिकअप से घायल इंजीनियर को अस्पताल पहुंचाया राहगीरों ने तत्काल एक छोटी पिकअप वाहन को रुकवाया और घायल इंजीनियर को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया वहां डॉक्टरों की टीम उनका इलाज कर रही है डॉक्टरों के अनुसार इंजीनियर की हालत अभी गंभीर है इसलिए उन्हें बेहतर इलाज के लिए सिम्स रेफर कर दिया गया है पुलिस ने बताया है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर फरार कार चालक की पहचान कर ली जाएगी।

महाशिवरात्रि...सिद्धबाबा मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़: शाम को महाआरती का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। महाशिवरात्रि के अवसर पर सिद्धबाबा मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह से ही मंदिर परिसर में भक्तों का तांता लगा रहा और पूरा वातावरण 'हर-हर महादेव' के जयघोष से गूंज उठा यह प्राचीन मंदिर एक ऊंची पहाड़ी पर स्थित है, जहां दूर-दूर से श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं श्रद्धालुओं ने कठिन चढ़ाई तय कर भगवान शिव के दर्शन किए और पूजा-अर्चना में भाग लिया भक्तों ने अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए रुद्राभिषेक किया शिवलिंग का दूध, दही, बेलपत्र, शहद, घी सहित पंचामृत जैसी सामग्री से विधिवत अभिषेक किया गया भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया मंदिर समिति ने श्रद्धालुओं के लिए भोग और भंडारे की व्यवस्था की भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया समिति ने भीड़ को नियंत्रित करने और दर्शन व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने का प्रयास किया स्थानीय पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस जवानों को तैनात किया मंदिर समिति के सदस्यों ने बताया कि शाम को विशेष महाआरती का आयोजन किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद है। महाशिवरात्रि के इस पावन अवसर पर श्री सिद्धबाबा मंदिर में भक्ति और उत्सव का अद्भुत संगम देखा गया।

ई-रिक्शा में फिर गहने चोरी, शादी से लौट रहा था परिवार हैंडबैग खोलकर चोरी दो महिलाओं पर संदेह

मीडिया ऑडीटर, ग्वालियर (निप्र)। एक बार फिर ई-रिक्शा में गहने चोरी की घटना सामने आई है भिंड से रिश्तेदार की शादी में शामिल होकर लौट रहे एक दंपति के हैंडबैग से सोने के जेवरात चोरी हो गए यह वारदात 5 फरवरी को दोपहर करीब 2 बजे गोला का मंदिर से मुरार 6 नंबर चौराहा के बीच हुई शहर में बीते दिनों में ई-रिक्शा में जेवर चोरी की यह तीसरी घटना बताई जा रही है करगंवा गांव निवासी 35 वर्षीय संजय सिंह जाटव पत्नी सपना जाटव और बच्चों के साथ भिंड में शादी समारोह में गए थे 5 फरवरी को लौटते समय वे बस से गोला का मंदिर चौराहा पर उतरे और वहां से मुरार 6 नंबर चौराहा के लिए एक लाल रंग का ई-रिक्शा किराए पर लिया कुछ ही दूरी तय करने के बाद गोला का मंदिर स्थित शराब दुकान के

पास ई-रिक्शा चालक ने दो महिलाओं को और बैठा लिया इनमें से एक महिला संजय के पास और दूसरी उनकी पत्नी सपना के पास बैठी, जहां हैंडबैग रखा था जब ई-रिक्शा 6 नंबर चौराहा पहुंचा और दंपति उतरा, तब बैग चेक करने पर उसकी चेन खुली मिली और अंदर रखी सोने की चूड़ियां तथा जेंट्स और लेडीज अंगूठियां गायब थीं। तब तक ई-रिक्शा मौके से जा चुका था संजय जाटव ने आसपास तलाश की और ई-रिक्शा में बैठी महिलाओं को ढूंढने की कोशिश की, लेकिन न तो महिलाएं मिलीं और न ही ई-रिक्शा फरियादी दंपति और फुटेज में दिखता ई-रिक्शा घटना के बाद पीड़ित दंपति शिकायत लेकर मुरार थाना पहुंचे, लेकिन उन्हें यह कहकर लौटा दिया गया कि मामला गोला का मंदिर थाना क्षेत्र का है। इसके बाद करीब 9 दिन तक पीड़ित दोनों थानों के चक्कर लगाते रहे इस दौरान संजय और सपना ने खुद स्मार्ट सिटी और निजी कैमरों की फुटेज खंगाली फुटेज में गोला का मंदिर क्षेत्र में ई-रिक्शा दिखाई दिया, जिसकी पहचान नंबर 1487 के रूप में हुई जब पीड़ितों ने ई-रिक्शा चालक को ढूंढ निकाला तो पता चला कि उसने गाड़ी का हुलिया बदल दिया है आगे का कांच टूटा हुआ था और रंग भी बदल दिया था दो संदिग्ध महिलाओं के बारे में पूछने पर चालक ने कोई जानकारी नहीं दी पीड़ित संजय और सपना का कहना है कि उन्हें ई-रिक्शा चालक के साथ-साथ उन दो महिलाओं पर भी संदेह है जिन्हें रास्ते में बैठाया था अब पुलिस ने गोला का मंदिर थाने में मामला दर्ज कर लिया है और संदिग्ध ई-रिक्शा चालक व दोनों महिलाओं की तलाश की जा रही है।

मुख्यमंत्री जिले में करेंगे 12704.63 लाख रुपए का भव्य लोकार्पण और शिलान्यास

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का जिला प्रवास संभावित है जिसे लेकर प्रशासनिक अमला पूरी तरह सक्रिय हो गया है। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री दोपहर लगभग 2:00 बजे पोड़ी ग्राउंड स्थित हेलीपेड पहुंचेंगे वहां से वे मालवीय नगर पोड़ी स्थित नगर निगम के मंगल भवन में आयोजित मुख्य समारोह में शामिल होंगे जहां जिले को 12704.63 लाख रुपए अर्थात 127 करोड़ से अधिक की विकास सौगात मिलने जा रही है इस दौरान मंगल भवन में आयोजित भव्य कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री विभिन्न विभागों के अंतर्गत पूर्ण हो चुके कार्यों का लोकार्पण तथा नए विकास कार्यों का शिलान्यास करेंगे प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार 82 पूर्ण कार्यों का लोकार्पण किया जाएगा जिन पर 3879.85 लाख रुपए की लागत आई है वहीं 59 नए कार्यों का शिलान्यास 8824.78 लाख रुपए की स्वीकृत राशि से किया जाएगा कुल मिलाकर 141 विकास कार्यों के माध्यम से जिले में आधारभूत संरचना को नई मजबूती मिलने जा रही है इन कार्यों में सड़क, पुल, भवन, स्वास्थ्य सुविधाएं, विद्युत विस्तार, पेयजल व्यवस्था तथा नगरीय विकास से जुड़े अनेक प्रकल्प शामिल हैं जिनसे शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों के नागरिकों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा जिला प्रशासन द्वारा मुख्यमंत्री का औपचारिक स्वागत किया जाएगा तथा उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किया जायेगा कार्यक्रम के दौरान मीडिया से संक्षिप्त संवाद भी करेंगे जिसमें जिले की भावी विकास योजनाओं की रूपरेखा साझा की जायेगी मुख्य कार्यक्रम के पश्चात मुख्यमंत्री के जगन्नाथ मंदिर पहुंचेगे जहां अंगवस्त्र एवं तिलक से उनका स्वागत किया जाएगा।

शिवपुरी में पारंपरिक रीति से शिव-पार्वती विवाह हुआ, डीजे के साथ निकली बारात

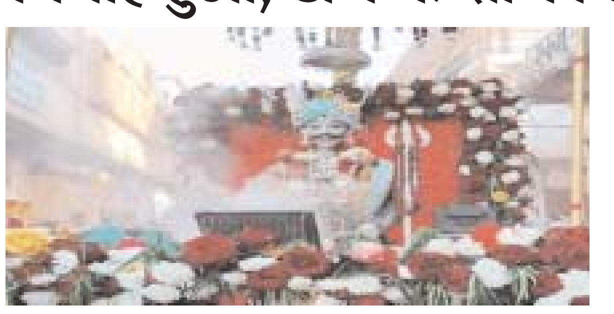

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। महाशिवरात्रि का पर्व रविवार को श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया शहर में भगवान शिव की बारात निकाली गई, जो नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर से शुरू होकर सिद्धेश्वर महादेव मंदिर पहुंची यहां पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ शिव-पार्वती का विवाह संपन्न हुआ सुबह से ही शहर के सभी शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखी गईं। भक्तों ने भगवान शिव का जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक और विशेष पूजन-अर्चन किया, जो दिनभर जारी रहा शाम होते ही नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर से भगवान शिव की बारात निकाली गई दूल्हे के रूप में सजे भोलेनाथ को एक आकर्षक पालकी में विराजमान किया गया था बारात में आठ डीजे, बैंड-बाजे और ढोल-ताशों की गूंज से पूरा शहर शिवमय हो उठा जगह-जगह पुष्पवर्षा से स्वागत बारात में चार आकर्षक झांकियां शामिल थीं कई श्रद्धालु भूत-प्रेत के वेश में शिवगणों का स्वरूप प्रस्तुत कर रहे थे शिवभक्तों ने अखाड़ों के करतब दिखाए और 'बम-बम भोले' के जयकारों के साथ नाचते-गाते हुए वातावरण को भक्तिमय बना दिया शिव बारात नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर से शुरू होकर धर्मशाला रोड, आर्यसमाज मंदिर, कस्टम गेट, टेकरी बाजार, माधव चौक चौराहा और विष्णु मंदिर होते हुए सिद्धेश्वर महादेव मंदिर एवं सिद्धेश्वर मेला ग्राउंड तक पहुंची रास्ते में जगह-जगह पुष्पवर्षा कर बारात का स्वागत किया गया सिद्धेश्वर मंदिर पहुंचने पर पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ शिव-पार्वती का विवाह संपन्न हुआ वरमाला, पैर पखारने की रस्म और आरती-पूजन के बाद श्रद्धालुओं ने आशीर्वाद प्राप्त किया इस वर्ष सिद्धेश्वर महादेव मंदिर को विशेष रूप से सजाया और रोशन किया गया था। देर रात तक मंदिरों में भक्तों का तांता लगा रहा, और पूरा शहर भक्ति व उत्साह के रंग में डूबा रहा।

10 लाख की सुपारी देकर कराई थी वकील की हत्या, शूटर का शॉर्ट एनकाउंटर; 3 गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। मध्यप्रदेश के शिवपुरी जिले के करैरा में अधिवक्ता संजय कुमार सक्सेना (57) की हत्या 10 लाख रुपए की सुपारी देकर कराई गई थी पुलिस के मुताबिक 2 लाख रुपए एडवांस दिए गए थे वारदात के बाद फरार तीनों शूटरों को गिरफ्तार कर लिया गया है गिरफ्तारी के दौरान रविवार सुबह चिरली तिराहा पर एक आरोपी से शॉर्ट एनकाउंटर भी हुआ, जिसमें उसके पैर में दो गोलियां लगीं एसपी अमन सिंह राठौड़ ने बताया कि जमीन विवाद और पुरानी चुनावी रंजिश के चलते साजिश रची गई। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि सौदा 10 लाख में तय हुआ था 2 लाख रुपए एडवांस दिए गए, जबकि बाकी रकम वारदात के बाद देने की बात थी पुलिस पैसों के लेन-देन और साजिश की पूरी कड़ी खंगाल रही है पुलिस टीम पर आरोपियों ने की फायरिंग रविवार सुबह मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी चिरली तिराहा क्षेत्र में छिपे हैं पुलिस टीम ने घेराबंदी की तो पपेंद्र रावत ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में दो गोलियां लगीं घायल हालत में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया अन्य दो आरोपी मौके से पकड़ लिए गए।

इलाज के लिए गिरवी रखा मोबाइल, एक्सीडेंट में घायल बेटे को प्राइवेट डॉक्टर ने रोका पैसे नहीं थे तो फोन जमा करवाया

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के खनियाधाना थाना क्षेत्र में संवेदनहीनता का मामला सामने आया है यहां सड़क हादसे में घायल एक युवक के इलाज के बाद प्राइवेट डॉक्टर ने पैसे नहीं होने पर उसे रोक लिया मजबूरी में पिता को अपना मोबाइल फोन गिरवी रखना पड़ा, तब जाकर डॉक्टर ने बेटे को जिला अस्पताल ले जाने दिया घायल युवक को देर रात जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है छोटी बामौर निवासी किशोरी आदिवासी ने बताया कि शनिवार शाम उनका 25 वर्षीय बेटा हेमराज आदिवासी दो अन्य युवकों के साथ कार में सवार होकर निकला था कंजवाया पुल के पास कार अनियंत्रित होकर पलट गई हादसे की सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे, लेकिन वहां कोई नहीं मिला दोस्तों ने प्राइवेट क्लीनिक पर छोड़ा बाद

में पता चला कि हेमराज को उसके साथी अछरौनी गांव के एक निजी क्लिनिक पर छोड़कर चले गए थे जब पिता किशोरी आदिवासी क्लिनिक पहुंचे तो डॉक्टर ने मलहम-पट्टी के बाद 1800 रुपए की मांग की। किशोरी के पास तत्काल पूरी राशि नहीं थी उन्होंने डॉक्टर से बेटे को पहले शिवपुरी जिला अस्पताल ले जाने देने का अनुरोध किया मोबाइल जमा करने के बाद जाने दिया आरोप है कि डॉक्टर ने पैसे मिलने के बाद ही मरीज को ले जाने की बात कही मजबूरी में पिता को अपना मोबाइल फोन डॉक्टर के पास गिरवी रखना पड़ा इसके बाद ही डॉक्टर ने घायल युवक को क्लिनिक से ले जाने दिया देर रात हेमराज को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार जारी है किशोरी आदिवासी ने मामले की शिकायत पुलिस में करने की बात कही है।

अमृतधारा महोत्सव में नपाध्यक्ष, विधायक प्रतिनिधि नाराज होकर निकले; गाड़ी रोके जाने और नाम पुकारे जाने पर विवाद, नेम प्लेट तोड़ी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। अमृतधारा महोत्सव के दौरान शुक्रवार को नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिमा यादव और विधायक प्रतिनिधि सरजू यादव कार्यक्रम से नाराज होकर बाहर निकल गए इस घटना से कार्यक्रम स्थल पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी और तनाव का माहौल बन गया जानकारी के अनुसार, महोत्सव में जनप्रतिनिधियों और अतिथियों की मौजूदगी में मंचीय कार्यक्रम चल रहा था इस दौरान मंच से नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिमा यादव का नाम नहीं पुकारा गया, जबकि

विधायक प्रतिनिधि सरजू यादव का नाम लिया गया बताया गया कि नाम पुकारे जाने के बावजूद सरजू यादव मंच पर नहीं गए, जिसके बाद दोनों कार्यक्रम से बाहर निकल गए विवाद का एक अन्य कारण वाहन रोकने की घटना भी रही विधायक प्रतिनिधि सरजू यादव के अनुसार, कार्यक्रम स्थल पर पुलिस द्वारा सुरक्षा के मद्देनजर बैरिकेडिंग की गई थी इसी दौरान नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिमा यादव और विधायक प्रतिनिधि सरजू यादव के वाहन को प्रवेश द्वार पर रोक दिया गया।

देव विवाह से डेस्टिनेशन वेडिंग तक :केदारनाथ के करीब पहाड़ की चोटी पर त्रियुगीनारायण गांव में रोज होती हैं 25 शादियां

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। हैदराबाद में रहने वाली जी. कल्याणी राव की ख्वाहिश थी कि उनकी बेटी की शादी त्रियुगीनारायण में हो बस, वे यह ख्वाहिश पूरी करने में जुट गईं इंफोसिस, पुणे में काम कर रहीं अनुश्रेया और सूरत के ज्वेलरी का बिजनेस करने वाले डेनिश गोधानी ने त्रियुगीनारायण में सात फेरे लिए यहां शादी करने वाला यह इकलौता जोड़ा नहीं है, बल्कि हर रोज यहां ऐसी 25 से 30 शादियां हो रही हैं

हरिद्वार से लगभग 250 किलोमीटर, इसमें भी लगभग 80 किलोमीटर का रास्ता बेहद कठिन और रूह कंपा देने वाला है तमाम बाधाएं पार कर देश के तकरीबन सभी राज्यों से शादी करने वाले जोड़े और उनके रिश्तेदार त्रियुगीनारायण पहुंच रहे हैं दूसरे देशों में रहने वाले जोड़े भी आते हैं इस जगह से केदारनाथ की दूरी महज 25 किमी बचती है लेकिन वहां तक पहुंचने के लिए रास्ते के नाम पर सिर्फ पगडंडी है जिसकी जानकारी यहां के स्थानीय लोगों को ही है त्रियुगीनारायण... नाम से ही स्पष्ट है तीन युगों के भगवान पहाड़ की चोटी पर बसे गांव का नाम भगवान के नाम पर ही है।

ईनाम जीतकर लौटी बैलगाड़ी का रस्सा टूटा, कुएं में गिरी

खंडवामें छकड़ा रेस के दौरान हादसा, किसान-बैलों की जान बची

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा में छकड़ा रेस यानी बैलगाड़ी दौड़...इस आयोजन में जिस बैलगाड़ी ने दूसरा स्थान पाया और 31 हजार रूपए का ईनाम जीता।वही बैलगाड़ी हादसे का शिकार हो गई। दरअसल, जीतने के बाद बैलगाड़ी के पहिये थमने वाले थे कि रस्सी टूट गई और वह अनियंत्रित होकर एक कुएं में जा गिरी। गनीमत रही कि बैलगाड़ी हांक रहे किसान ने कूदकर जान बचा ली। वहीं कुएं में गिरे बैलों को भी सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। हालांकि, बैलगाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई। घटना शनिवार शाम की है। यह मामला खंडवा जिले के आदिवासी बाहुल्य खालवा क्षेत्र के ग्राम बोरखेड़ा का है। जहां जोगीबाबा मेले के आयोजन के दौरान शनिवार को छकड़ा रेस (बैलगाड़ी दौड़) का आयोजन किया गया। समिति ने इस दौड़ के लिए 3100 रूपए की एंट्री फीस तय की थी। साथ ही 7 तरह के पुरूस्कार दिए गए। दौड़ के दौरान भीलखेड़ी गांव की एक बैलगाड़ी ने दूसरा स्थान पाया। उसने 31 हजार रूपए का ईनाम जीता और फिर बैलगाड़ी आगे जाकर एक कुएं में गिर गई। ग्रामीणों ने रस्से की मदद से दोनों बैलों को खींचा और सुरक्षित बाहर निकाला।

किसान ने पहले ही कूदकर खुद को सुरक्षित कर लिया था।

51 हजार रुपए था पहला ईनाम : गांव के चौकीदार राधे ने बताया कि, बोरखेड़ा वनग्राम में जनसहयोग से जोगी बाबा का मेला लगता हैं। इस मेले में बैलगाड़ी दौड़ के अलावा गम्मत और लोककला आधारित कई कार्यक्रम में होते हैं। इनमें से शनिवार को बैलगाड़ी दौड़ का आयोजन था। दौड़ खत्म हो रही थी कि इसी दौरान अंतिम रेखा पार कर चुकी भीलखेड़ी गांव की बैलगाड़ी ने दूसरे स्थान पाया और इतने में उस बैलगाड़ी का रस्सा टूट गया। जिससे कि किसान का बैलों से नियंत्रण हट गया। किसान तो संभल गया और उसी समय बैलगाड़ी से कूद गया। अनियंत्रित होकर बैलगाड़ी कुएं में गिर गई। कुआं ज्यादा गहरा नहीं था।

आयोजन में 7 तरह के पुरूस्कार थे, इनमें पहला पुरस्कार 51 हजार, दूसरा 31 हजार रुपए, तीसरा 21 हजार रुपए था। वहीं बाकी सांत्वना पुरस्कार थे। हादसाग्रस्त बैलगाड़ी ने दूसरा ईनाम जीता था।

बागेश्वर धाम जा रहे परिवार की टैक्सी में टक्कर

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले में शनिवार देर शाम 8-9 बजे के बीच एक भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के 9 लोग घायल हो गए। ये सभी ग्राम बम्होरी निवासी थे और टैक्सी से बागेश्वर धाम में एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। ग्राम सलैया के पास सामने से आ रही तेज रफ्तार बोलेरो ने उनकी टैक्सी को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि टैक्सी में सवार सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। कि टक्कर के बाद वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था और सभी लोग सीटों पर ही फंस गए थे। राहगीरों ने तत्काल 108 एंबुलेंस को घटना की सूचना दी।

मंदसौर में लूट के मामला, चाकू दिखाकर धमकाया था; पुलिस बोली- 24 घंटे में पकड़ा

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले के दलौदा थाना क्षेत्र में हुई लूट की वारदात का खुलासा पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर किया। पुलिस ने वारदात को अंजाम देने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लूटी गई नगदी, एंड्रॉइड मोबाइल, वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिलें और चाकू बरामद किया है। जिले में अपराध और अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए एसपी विनोद कुमार मीना द्वारा सभी थाना प्रभारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं। निर्देशों के पालन में टीम ने तत्परता दिखाते हुए 24 घंटे के भीतर आरोपियों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता प्राप्त की। जानकारी के अनुसार दिनांक 13 फरवरी 2026 को फरियादी विजय पिता राजकुमार बोरासी (उम्र 20 वर्ष), निवासी इमली चौक, थाना दलौदा, ने थाने पर उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराई। फरियादी ने बताया कि वह रात करीब 10 बजे अपने दोस्तों भूपेंद्र और ऋषिराज के साथ मोरखेड़ा से अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान अयान, जुबेर, फैजान और वसीम मोटरसाइकिल लेकर पहले से खड़े थे। आरोपियों ने हाथ देकर उन्हें रोका और चाकू दिखाकर धमकाया। इसके बाद फरियादी व उसके साथियों के साथ मारपीट कर उनके पास से 2000 रुपये नगद एवं एक एंड्रॉइड मोबाइल लूट लिया। रिपोर्ट के आधार पर थाना दलौदा में धारा 309(4) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया।

24 घंटे में आरोपियों की गिरफ्तारी : घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम तत्काल रवाना की गई। तकनीकी साक्ष्य एवं मुखबिर सूचना के आधार पर चारों आरोपियों को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया गया।पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटे गए 2000 रुपये नगद, एक एंड्रॉइड मोबाइल, घटना में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिलें तथा एक चाकू विधिवत जब्त किया। गिरफ्तारी के बाद चारों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया। गिरफ्तार आरोपी में अयान पिता रईस मेवाती, उम्र 20 वर्ष, निवासी सोनगिरी, वसीम पिता याकुब मेवाती, उम्र 23 वर्ष, निवासी सोनगिरी, जुबेर उर्फ जुम्बा पिता फारुख मेवाती, उम्र 18 वर्ष, निवासी मोरखेड़ा और फैजान उर्फ मुस्तफा पिता मोहम्मद इशाक मेवाती, उम्र 19 वर्ष, निवासी बानीखेड़ी शामिल हैं।

बागेश्वर धाम में परिक्रमा के दौरान युवक की मौत, पिता बोले- पहले से बीमार था; इलाज के लिए पहली बार आए थे धाम

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर के बागेश्वर धाम में शनिवार सुबह परिक्रमा के दौरान एक 22 वर्षीय युवक की अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले के मदरियापुर गांव निवासी रामानंद के रूप में हुई है। यह घटना सुबह करीब 11 बजे हुई हालांकि परिजनों के पहुंचने पर देर रात घटना का पता चला। मृतक के पिता कैलाश ने बताया कि रामानंद उनका इकलौता बेटा था और लंबे समय से बीमार चल रहा था। वह ठीक से बोल नहीं पाता था और खाने-पीने में भी उसे दिक्कत होती थी। बेटे के उपचार और मन्नत के लिए वे पहली बार बागेश्वर धाम दर्शन करने आए थे।

परिक्रमा में हुआ बेहोश : पिता के अनुसार, शनिवार को परिक्रमा के दौरान रामानंद ने पानी मांगा था। भीड़ अधिक होने के कारण कैलाश पानी लेने गए और दूसरे मार्ग से लौटे, लेकिन बेटा वहां नहीं मिला। उन्होंने आसपास तलाश की और लोगों से पूछताछ की। सेवादारों ने उन्हें बताया कि युवक बेहोश होकर गिर पड़ा था, जिसे प्राथमिक उपचार के लिए धाम के अस्पताल ले जाया गया है। जब पिता रात करीब 10 बजे अस्पताल पहुंचे, तो उन्हें जानकारी मिली कि रामानंद की हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल छतरपुर भेजा गया है। जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद रामानंद को मृत घोषित कर दिया। बागेश्वर धाम प्रबंधन ने शव को उत्तर प्रदेश के फतेहपुर स्थित मदरियापुर गांव भेजने के लिए एंबुलेंस की व्यवस्था की। 11 बजे रात परिजन शव लेकर अपने गांव के लिए रवाना हो गए।

फैब्रिकेशन फैक्ट्री के गोदाम में आग, प्लाईवुड के सामान से भड़कीं लपटें; फायर ब्रिगेड की 12 गाड़ियां 2 घंटे में पा सकीं काबू

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। भोपाल में इंटर स्टेट बस टर्मिनल के सामने मेहता इंडस्ट्री में रविवार दोपहर करीब पौने 4 बजे आग लग गई। यहां फैब्रिकेशन का काम होता है। आग फैक्ट्री के पिछले हिस्से में बने गोदाम में लगी, जहां लकड़ी का सामान और प्लाईवुड रखा था।

सूचना मिलते ही नगर निगम की एक-एक कर 12 दमकलें मौके पर पहुंचीं। गोदाम के पीछे की तरफ टिन से बनी दीवार तोड़ी गई। यहां से लपटों पर फोम डाला गया। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। फैब्रिकेशन फैक्ट्री से सटी झुग्गी बस्ती के लोगों ने ऐहतियात के तौर पर घरों का सामान बाहर निकाल लिया था। हादसे में जनहानि की सूचना नहीं है। फिलहाल, आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है।

मंडी से अनाज चोरी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

गल्ला दुकान से मूंग और मक्का की बोरियां बाइक पर लेकर भागे थे आरोपी

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर में रहली थाना पुलिस ने रविवार को कृषि उपज मंडी परिसर में स्थित गल्ला दुकान से अनाज चोरी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से चोरी किया अनाज जब्त किया गया है। थाने लाकर आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार, 14 फरवरी को फरियादी अभिषेक पिता अजीत कुमार जैन उम्र 28 वर्ष निवासी वार्ड 10 रहली ने थाने में शिकायत की थी। शिकायत में बताया कि वह रहली कृषि मंडी परिसर में गल्ला दुकान संचालित करता है। 4 फरवरी की शाम करीब 4 बजे वह अपनी गल्ला दुकान बंद कर घर चला गया था। शाम करीब 7 बजे दोबारा दुकान पर पहुंचा और देखा कि स्टॉक में रखी अनाज की बोरियों में से कुछ बोरियां नीचे गिरी हुई थीं। जांच करने पर दुकान से 6 बोरी मूंग और 3 बोरी मक्का की गायब थी। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में लिया। परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। आसपास के लोगों से पूछताछ की। इसी दौरान आरोपियों के संबंध में जानकारी मिली। साक्ष्य मिलते ही पुलिस टीम ने आरोपी राहुल पिता प्रकाश प्रजापति और शुभम पिता माखन अहिरवार दोनों निवासी वार्ड 14 रहली को गिरफ्तार किया।

अनाज और बाइक जब्त की गई : थाने लाकर पूछताछ की। पूछताछ में आरोपियों ने चोरी की वारदात करना स्वीकार की। उन्होंने बताया कि वे दुकान पर कोई नहीं होने का फायदा उठाकर बाइक पर अनाज की बोरियां लेकर भागे थे। पुलिस ने कार्रवाई में मक्का और मूंग की बोरियां जब्त की है। वारदात में उपयोग की गई बाइक क्रमांक एमपी 15 एमएस 3375 को भी जब्त किया गया है। रहली थाना प्रभारी सुनील शर्मा ने बताया कि चोरी के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ के बाद आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया।

खरगोन में नौसादर से अवैध शराब बनाते 2 गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, खरगोन (निप्र)। खरगोन पुलिस ने दो स्थानों पर नौसादर का उपयोग कर बनाई जा रही 140 लीटर अवैध शराब जब्त की है। इस कार्रवाई में 3.50 लाख रुपये मूल्य की शराब और महुआ लहान नष्ट किया गया। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार भी किया है।

यह कार्रवाई रविवार तड़के गोगांवा पुलिस ने अवर नदी क्षेत्र में की। मौके से 35-35 लीटर के चार प्लास्टिक ड्रमों में कच्ची शराब जब्त की गई। इसके अतिरिक्त, 3000 लीटर महुआ लहान के नमूने लेकर उसे मौके पर ही नष्ट कर दिया गया।

नीमच में ट्रक पेड़ से टकराया, ड्राइवर गंभीर रूप से घायल, जेसीबी से निकालकर अस्पताल पहुंचाया

मीडिया ऑडीटर, नीमच (निप्र)। नीमच में महू-नसीराबाद हाईवे पर रविवार को जेतपुरा फंटे के पास एक सड़क हादसा हुआ। जयपुर जा रहा एक ट्रक अनियंत्रित होकर डिवाइडर तोड़ते हुए सड़क की दूसरी ओर एक पेड़ से टकरा गया। इस दुर्घटना में ट्रक का ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलने पर 108 एंबुलेंस के ईएमटी राहुल पाटीदार और पायलट दशरथ व्यास मौके पर पहुंचे। ट्रक का अगला हिस्सा बुरी तरह पिचक जाने के कारण ड्राइवर अंदर फंस गया था। करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद जेसीबी मशीन की मदद से ट्रक को सीधा कर घायल ड्राइवर को बाहर निकाला जा सका। घायल ड्राइवर की पहचान रमेश गुर्जर (30) पुत्र रामकुंवार गुर्जर, निवासी धाकड़ो का रामपुरा (टोंक, राजस्थान) के रूप में हुई है। रमेश ने बताया कि वह नासिक से जयपुर स्कॉर्पियो गाड़ियां लेकर जा रहा था। उसके अनुसार, आगे चल रहे एक वाहन ने अचानक ब्रेक लगा दिए, जिससे उसका ट्रक अनियंत्रित हो गया। इस हादसे में रमेश गुर्जर का एक हाथ हथेली के पास से बुरी तरह कुचल गया है और उसके पैर में भी गंभीर चोटें आई हैं। 108 एंबुलेंस की सहायता से उसे तत्काल जिला चिकित्सालय ले जाया गया, जहाँ उसका इलाज चल रहा है।

घटना की जानकारी मिलते ही एडिशनल एसपी नवल सिंह सिसोदिया और नीमच सिटी थाना प्रभारी पुष्पा चौहान पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। सुचारु करवाया। पुलिस ने ट्रक मालिक और घायल के परिजनों को भी हादसे की सूचना दे दी है।

विदिशा हाईवे बायपास पर अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत बेगमगंज निवासी बाइक सवार युवक ने दम तोड़ा

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। विदिशा के हाईवे बायपास पर एक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। उसे अज्ञात वाहन ने टक्कर मारी थी, जिसके बाद युवक गंभीर रूप से घायल हो गया था। यह घटना शनिवार देर रात करीब 11:30 बजे सागर रोड स्थित हाईवे बायपास पर हुई। एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवक को टक्कर मारी और मौके से फरार हो गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर गया। स्थानीय लोगों, जिनमें आदर्श तिवारी भी शामिल थे, ने घायल युवक को तुरंत मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। डॉक्टरों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन गंभीर चोटों के कारण इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। युवक के पास मिले दस्तावेजों और मोबाइल फोन के आधार पर उसकी पहचान बेगमगंज, जिला रायसेन निवासी सुरेंद्र सिंह के रूप में हुई। परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। सिविल लाइन थाना पुलिस मेडिकल कॉलेज पहुंची और पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। हाईवे बायपास पर लगातार हो रही दुर्घटनाओं ने सड़क सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों ने पुलिस से रात में सख्त निगरानी और तेज रफ्तार वाहनों पर कार्रवाई की मांग की है।

बारात में नाबालिग को गोली मारने वाला मुख्य आरोपी गिरफ्तार

सागर में राई की धुन बजाने के विवाद में बैंड बजाने वाले की हुई थी हत्या

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर के मोतीनगर थाना क्षेत्र के गोला कुआं के पास बारात में गोली मारकर बैंड बजाने वाले नाबालिग की हत्या करने के मामले में एक आरोपी को पुलिस ने रविवार को गिरफ्तार किया है। आरोपी को थाने में लाकर पूछताछ की जा रही है। पूछताछ के दौरान आरोपी की निशानदेही पर वारदात में उपयोग की गई पिस्टल जब्त की है। आरोपी ने राई की धुन नहीं बजाने की बात पर बैंड बजाने वाले नाबालिग को गोली मारी थी। पुलिस के अनुसार, 12 फरवरी को मोतीनगर क्षेत्र में गोलाकुआं के पास सोनी परिवार की बारात निकल रही थी। बारात में नाच-गाना चल रहा था। इसी दौरान बैंड बजा रहे 15 वर्षीय विवेक बंसल के सीने पर किसी ने गोली मार दी। गोली लगने से विवेक की मौत हो गई।

दो दिन तक गुमराह करता रहा: सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज और ड्रोन कैमरे के फुटेज खंगाले गए। जांच के दौरान मिले साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने संदेही प्रशांत पटेल को हिरासत में लिया। थाने लाकर पूछताछ की गई। दो दिन तक चली पूछताछ के दौरान आरोपी गुमराह करता रहा। लेकिन सख्ती से पूछताछ करने पर वह टूट गया और वारदात करना स्वीकार कर ली। वारदात करने के बाद पिस्टल दुबे तालाब में फेंकने की बात कही। जिसके बाद पुलिस ने दुबे तालाब में सर्चिंग कराई। लेकिन पिस्टल नहीं मिली। दोबारा पूछताछ के बाद पुलिस ने आरोपी के कब्जे से पिस्टल जब्त कर ली है। मामले में एक सहआरोपी भी पुलिस ने बनाया है।

मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया: एडिशनल एसपी लोकेश सिंहा ने बताया कि मामले में मर्ग कायम कर जांच की गई। जांच के बाद सामने आया कि गाना बजाने को लेकर विवाद हुआ था।

खरगोन में नौसादर से अवैध शराब बनाते 2 गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, खरगोन (निप्र)। खरगोन पुलिस ने दो स्थानों पर नौसादर का उपयोग कर बनाई जा रही 140 लीटर अवैध शराब जब्त की है। इस कार्रवाई में 3.50 लाख रुपये मूल्य की शराब और महुआ लहान नष्ट किया गया। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार भी किया है। यह कार्रवाई रविवार तड़के गोगांवा पुलिस ने अवर नदी क्षेत्र में की। मौके से 35-35 लीटर के चार प्लास्टिक ड्रमों में कच्ची शराब जब्त की गई। इसके अतिरिक्त, 3000 लीटर महुआ लहान के नमूने लेकर उसे मौके पर ही नष्ट कर दिया गया।

शिवरात्रि के मेले में जा रहे युवक की मौत, परिवार में शोक

मीडिया ऑडीटर, बैतूल (निप्र)। बैतूल में शिवरात्रि मेले में जा रहे एक युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई। यह घटना रविवार दोपहर ग्राम जीटापाटी जोड़ के पास हुई, जब एक अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। युवक को अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान ग्राम बोथिया, थाना साईखेड़ा निवासी 22 वर्षीय अजय पिता गुलाब कवडे के रूप में हुई है। अजय खेती-किसानी करता था और अपने तीन भाइयों में सबसे बड़ा था। उसके परिवार में शादी तय हो चुकी थी और 20 फरवरी को टीका कार्यक्रम होना था। इस हादसे के बाद परिवार में शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार, अजय दोपहर करीब डेढ़ बजे अपनी बाइक से सोनाघाटी मेला जा रहा था।

यह भारत पर निर्भर करता है, हैंड शेक पर बोले पाकिस्तान कप्तान सलमान अली आगा

कोलंबो, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मैच को लेकर तमाम संशय के बादल छंट गए हैं। दोनों देशों के बीच कोलंबो में रविवार को मुकाबला होना है। मैच को लेकर करोड़ों क्रिकेट फैंस रोमांचित हैं। फैंस के मन में एक सवाल है कि क्या भारत और पाकिस्तान के खिलाड़ी मैच के बाद पहले की तरह एक दूसरे के साथ हाथ मिलाएंगे या एशिया कप वाली हाथ नहीं मिलाने की नीति ही काम करेगी। शनिवार को हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा से पूछा गया कि क्या मैच के दौरान दोनों देशों के खिलाड़ी एक दूसरे से हाथ मिलाएंगे? इसके जवाब में आगा ने कहा, यह भारत पर है कि वे सही भावना के साथ खेलना चाहते हैं या नहीं। उन्होंने कहा, क्रिकेट को भावना के साथ खेला जाना चाहिए। मेरी निजी राय शायद मायने न रखे, लेकिन क्रिकेट वैसे ही खेला जाना चाहिए जैसा हमेशा से खेला जाता रहा है। यह उन्हें तय करना है कि क्या करना है।

मैच को लेकर पाकिस्तान के कप्तान ने कहा, भारत के खिलाफ हमारा रिकॉर्ड अच्छा नहीं है, लेकिन हम इतिहास नहीं बदल सकते। हर दिन एक नया दिन होता है।

अप्रैल में हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद से भारत और पाकिस्तान के आपसी रिश्ते निचले स्तर पर हैं। इसका असर क्रिकेट पर भी पड़ा है। एशिया कप 2025 के दौरान हुए तीन मैचों में भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तान के खिलाड़ियों के साथ मैच के बाद होने वाला पारंपरिक हैंड शेक नहीं किया था।

महिला क्रिकेट टीम और जूनियर टीमों ने भी ऐसा ही किया। विमेंस वर्ल्ड कप, अंडर-19 एशिया कप, अंडर-19 विश्व कप और राइजिंग स्टार्स एशिया कप में भी दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने एक-दूसरे से हाथ नहीं मिलाया था।

पाकिस्तान को हराकर एशिया कप का खिताब जीतने वाली भारतीय टीम ने एसीसी अध्यक्ष मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से भी इनकार कर दिया था।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड द्वारा टी20 विश्व कप से बाहर होने और उसकी जगह आईसीसी द्वारा स्कॉटलैंड को मौका दिए जाने के बाद पाकिस्तान ने बांग्लादेश के समर्थन में भारत के साथ 15 फरवरी वाला मैच खेलने से इनकार कर दिया था। आईसीसी की मध्यस्थता के बाद पाकिस्तान ने अपना फैसला बदला। रविवार को कोलंबो में मैच के अलावा दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच आपसी व्यवहार कैसा रहता है, इस पर भी फैंस की नजरें रहेंगी।

मोहम्मद आमिर पर भड़के हरभजन सिंह, अभिषेक शर्मा को 'स्लॉगर' बताने पर दिया करारा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। कोलंबो में होने वाले भारत-पाकिस्तान टी20 वर्ल्ड कप 2026 मुकाबले से पहले बयानबाजी तेज हो गई है। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर ने एक पाकिस्तानी टीवी शो में भारतीय ओपनर अभिषेक शर्मा को 'स्लॉगर' बताया था। आमिर के इस बयान पर अब पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है।

वह पूरी तरह से एक बेहतरीन बल्लेबाज़ हैं: हरभजन सिंह ने कहा कि अभिषेक शर्मा एक क्वालिटी खिलाड़ी हैं, जो अपने दम पर मैच जिताने की क्षमता रखते हैं। उन्होंने साफ कहा कि अभिषेक को 'स्लॉगर' कहना गलत है क्योंकि उनके पास हर तरह के क्रिकेटिंग शॉट्स मौजूद हैं।

हरभजन ने कहा, अभिषेक शर्मा एक क्वालिटी खिलाड़ी हैं और मैच अपने दम पर जिताने का जज्बा रखते हैं। वह सिर्फ एक बार नहीं, बल्कि बार-बार ऐसा कर सकते हैं। मैंने क्रिकेट खेली है और मैं जानता हूं कि वह एक प्रॉपर बल्लेबाज़ हैं, जिनके पास हर शॉट है। स्लॉगर वह होता है जो सिर्फ आंख बंद कर बल्ला घुमाए। अभिषेक ऐसे खिलाड़ी नहीं हैं।

आलोचकों को दिया जवाब: हरभजन ने कहा कि जिन लोगों ने अभिषेक जैसी बल्लेबाजी का सामना नहीं किया, उन्हें ऐसे बयान नहीं देने चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि वह अनावश्यक विवाद में नहीं पड़ना चाहते, लेकिन अभिषेक को मैदान पर जवाब देना चाहिए।

लोग कुछ भी कह सकते हैं, लेकिन मुझे नहीं लगता कि उन्होंने कभी ऐसे बल्लेबाज़ के सामने गेंदबाजी की होगी। इसलिए उन्हें स्लॉगर कहना गलत है। अभिषेक को मैदान पर दिखाना चाहिए कि वह क्या कर सकते हैं। अगर वह लंबी पारी खेलते हैं तो टीम इंडिया बड़ा स्कोर खड़ा कर सकती है। भारत और पाकिस्तान के बीच टी20 वर्ल्ड कप 2026 का यह बड़ा मुकाबला रविवार को कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में खेला जाएगा। दोनों टीमों ने अब तक अपने-अपने दो मैच जीते हैं। भारत ने अमेरिका और नामीबिया को हराया है। पाकिस्तान ने नीदरलैंड और अमेरिका को मात दी है। ग्रुप ए में सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली भारतीय टीम +3.050 नेट रन रेट के साथ शीर्ष पर है, जबकि पाकिस्तान +0.932 हत्रक्र के साथ दूसरे स्थान पर है।

भारत और पाकिस्तान महामुकाबले से पहले जुबानी जंग तेज, 2011 वर्ल्ड कप विजेता ने दी 'वेट एंड वॉच' चेतावनी

भारत और पाकिस्तान के बीच टी20 वर्ल्ड कप 2026 के महामुकाबले से पहले माहौल गर्म हो चुका है। जुबानी जंग अपने चरम पर है और इस बार केंद्र में हैं Harbhajan Singh और Mohammad Amir। विवाद की शुरुआत तब हुई जब आमिर ने एक पाकिस्तानी टीवी शो में भारतीय युवा ओपनर अभिषेक शर्मा को 'स्लॉगर' बताते हुए उनकी तकनीक पर सवाल उठाए।

विवाद की जड़ क्या है?: मोहम्मद आमिर ने अपने बयान में कहा कि अभिषेक शर्मा के पास मजबूत डिफेंस नहीं है और वह मुश्किल विदेशी परिस्थितियों में अभी परखे नहीं गए हैं। यह टिप्पणी हरभजन सिंह को नागवार गुजरी और उन्होंने आमिर को करारा जवाब दिया।

44 साल 86 दिन की उम्र में अर्धशतक!

टी20 वर्ल्ड कप में ओमान के खिलाड़ी ने इतिहास रचा

नई दिल्ली, एजेंसी। ओमान के अनुभवी ऑलराउंडर आमिर कलीम टी20 वर्ल्ड कप में अर्धशतक लगाने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने शनिवार को सिंहली स्पोर्ट्स क्लब में आयरलैंड के विरुद्ध 44 साल 86 दिन की उम्र में अर्धशतक लगाया। 28 गेंदों में अर्धशतक लगाते हुए आमिर कलीम ने अपनी ही टीम के साथी मोहम्मद नदीम के रिकॉर्ड को तोड़ दिया, जिन्होंने इसी विश्व कप में श्रीलंका के विरुद्ध 43 साल और 161 दिन की उम्र में अर्धशतकीय पारी खेली थी। इस लिस्ट में श्रीलंकाई दिग्गज सनथ जयसूर्या तीसरे पायदान पर हैं, जिन्होंने टी20 वर्ल्ड कप 2009 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 39 साल 345 दिन की उम्र में अर्धशतक लगाया था। आमिर हाल ही में टी20 वर्ल्ड कप में हिस्सा लेने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने थे, उन्होंने 2016 एडिशन में हांगकांग के पूर्व कप्तान रयान कैंपबेल (44 साल और 30 दिन) का रिकॉर्ड तोड़ा था। कलीम 2016 में ओमान की पहली टी20 वर्ल्ड कप टीम का हिस्सा थे और उन्होंने कई एशिया कप क्वालिफायर और वर्ल्ड कप क्वालिफिकेशन कैंपेन में हिस्सा लिया है। उन्होंने 54 टी20 मुकाबलों में 718 रन बनाने के अलावा 48 विकेट भी हासिल किए हैं। शनिवार को आयरलैंड के खिलाफ 236 रन का पीछा करने उतरी ओमान की टीम के सलामी बल्लेबाज आमिर ने 29 गेंदों में 2 छक्कों और 5 चौकों के साथ 50 रन की पारी खेली। आमिर ने दूसरी गेंद पर चौका और चौथी गेंद पर छक्का लगाकर पारी की शुरुआत की। जब दूसरी तरफ विकेट गिर रहे थे, आमिर डटे रहे और हम्माद मिर्जा के साथ 73 रन जुटाए। बदकिस्मती से आमिर इसे बड़ी पारी में नहीं बदल सके और बैरी मैकार्थी की तेज बाउंसर पर आउट हो गए। विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी ओमान की टीम 18 ओवरों में 139 रन पर सिमट गई। इस पारी में आमिर कलीम (50) अर्धशतक लगाने वाले इकलौते बल्लेबाज रहे।

पाकिस्तानी कप्तान ने उस्मान तारिक को बताया ट्रंप कार्ड, बॉलिंग एक्शन पर कही ये बात

कोलंबो, एजेंसी। पाकिस्तानी टीम रविवार को आर प्रेमदासा स्टेडियम में भारत का सामना करेगी, जिससे पहले कप्तान सलमान आगा ने उस्मान तारिक को ट्रंप कार्ड बताया है। उस्मान अपने बॉलिंग एक्शन की वजह से इस विश्व कप में काफी चर्चा में हैं। तारिक के बॉलिंग स्टाइल की वैधता पर सवाल उठ रहे हैं, खासकर उनके डिलीवरी स्ट्राइड में रुकावट, जिसमें वह गेंद को बहुत ज्यादा देरी से रिलीज करने से पहले अपने लैंडिंग फुट को हवा में रखते हैं।

भारत के विरुद्ध मुकाबले से पहले आगा ने स्पिनर के एक्शन पर हो रही सभी जांच पर पलटवार करते हुए कहा कि आईसीसी उनकी गेंदबाजी को पहले ही दो बार क्लियर कर चुका है, तो फिर इस बारे में इतनी चर्चा क्यों हो रही है?

आगा ने शनिवार को मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों से कहा, हमारे लिए सभी खिलाड़ी बराबर हैं। आप लोगों ने उस्मान तारिक को इतना बड़ा बनाया है। वह अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं। वह हमारे ट्रंप कार्ड हैं। उस्मान को आईसीसी ने दो बार क्लीन चिट दी है। मुझे नहीं पता कि उनके एक्शन के बारे में बात क्यों हो रही है। उन्हें इन सब बातों से कोई फर्क नहीं पड़ता।

कप्तान आगा ने अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम को लेकर कहा, बाबर आजम हमारे लिए चिंता का विषय नहीं हैं। वह रन बना रहे हैं। उम्मीद है कि वह रविवार को भी रन बनाकर हमारी मदद करेंगे। हम बैटिंग पोजीशन में ज्यादा बदलाव नहीं करना चाहते।

पाकिस्तानी कप्तान ने माना कि वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ टीम का रिकॉर्ड अच्छा नहीं है। उन्होंने कहा, हम इतिहास नहीं बदल सकते। वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ हमारा रिकॉर्ड अच्छा नहीं है, लेकिन हम बेहतर प्रदर्शन की कोशिश करेंगे।

टी20 वर्ल्ड कप में अब तक भारत और पाकिस्तान 8 बार आमने-सामने रहे हैं, जिसमें टीम इंडिया ने 7 मुकाबले अपने नाम किए, जबकि पाकिस्तान ने साल 2021 में इकलौता मुकाबला जीता।

टी20 विश्व कप- दीपेंद्र का अर्धशतक, नेपाल ने वेस्टइंडीज को दिया 134 रन का लक्ष्य

मुंबई, एजेंसी। वानखेड़े स्टेडियम में वेस्टइंडीज और नेपाल के बीच टी20 विश्व कप 2026 के ग्रुप सी का मुकाबला खेला जा रहा है। पहले बल्लेबाजी करते हुए नेपाल ने 8 विकेट के नुकसान पर 133 रन बनाए हैं। वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करने उतरी नेपाल की टीम ने एक बार फिर निराश किया। पारी की शुरुआत खराब रही और 2 के स्कोर पर पहला विकेट कुशल भुर्टेल के रूप में गिरा। इसके झटके से नेपाल की टीम कभी उबर नहीं सकी और लगातार विकेट गंवाती गई। विकेटकीपर आसिफ शेख 11, कप्तान रोहित पॉडेल 5, आरिफ शेख 2, लोकेश बाम 13 और गुलशन झा 11 रन बनाकर आउट हुए। 73 रन पर 6 विकेट गंवा चुकी नेपाल के लिए दीपेंद्र सिंह ऐरी और सोमपाल कामी ने 7वें विकेट के लिए 54 रन की साझेदारी कर स्कोर को 127 तक पहुंचाया। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे दीपेंद्र ने 47 गेंद पर 3 चौके और 3 छक्के लगाते हुए 58 रन की पारी खेली। सोमपाल 15 गेंद पर 4 चौकों की मदद से 26 रन बनाकर नाबाद रहे। नेपाल ने आखिरी तीन ओवरों में बनाए 41 रन की बदौलत 20 ओवर में 8 विकेट पर 133 रन बनाए। वेस्टइंडीज के लिए जेसन होल्डर सबसे सफल गेंदबाज रहे। होल्डर ने 4 ओवर में 27 रन देकर 4 विकेट लिए। मैथ्यू फोर्ड ने 4 ओवर में 10 रन देकर 1, शमार जोसेफ ने 4 ओवर में 38 रन देकर 1, और अकिल हुसैन ने 4 ओवर में 30 रन देकर 1 विकेट लिया। रोस्टन चेज ने 2 ओवर में 10 रन देकर 1 विकेट लिया। इंग्लैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करने वाली नेपाल को इटली के खिलाफ शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा था। कम स्कोर के बावजूद नेपाल इस मैच में अपसेट की कोशिश करेगी। इस मैच में हार के बाद नेपाल विश्व कप से बाहर हो जाएगी।

कजाकिस्तान के अलीशेर नें जीता छोला ग्रैंडमास्टर्स शतरंज

चेन्नई, एजेंसी। भारत में ज़्यादा से ज़्यादा ग्रैंडमास्टर बनाने के उद्देश्य से शुरू हुए प्रथम छोला शतरंज ग्रैंडमास्टर्स नॉर्म टूर्नामेंट का खिताब कजाकिस्तान के अलीशेर सुलेमेनोव नें अपने नाम कर लिया है । नौ राउंड के बाद अलीशेर 6 अंक बनाकर पहले स्थान पर रहे । आख़िरी राउंड में अलीशेर और औदी अमेय के बीच एक रोमांचक बाजी ड्रा रही और औदी अमेय 5.5 अंक बनाकर टाईब्रेक में तीसरे स्थान पर रहे हालांकि वह आधा अंक से ग्रैंडमास्टर नार्म से लेने से चूक गए । 5.5 अंकों पर बेहतर टाईब्रेक के आधार पर भारत के एथन वाज दूसरे स्थान पर रहे । क्यूबा के डेलगाड़ो रेमरीज़ 5 अंकों पर बेहतर टाईब्रेक के आधार पर चौंथे स्थान पर रहे जबकि इतने ही अंकों पर मयंक चक्रवर्ती और आरोण्यक घोष पाँचवें और छठे स्थान पर रहे । अन्य खिलाड़ियों पर फ्रांस के माहेल बॉयर 3.5 अंक बनाकर सातवे , फ्रांस के जोसफ गिरेल 3 अंक बनाकर आठवें ,अक्षय बरगोंकर3 अंक बनाकर नौवे और हर्ष सुरेश 2.5 अंक बनाकर आख़िरी स्थान पर रहे ।

टी20 विश्व कप: आयरलैंड की पहली जीत, ओमान को 96 रन से हराया

कोलंबो, एजेंसी। सिंहली स्पोर्ट्स क्लब क्रिकेट ग्राउंड, कोलंबो में टी20 विश्व कप 2026 के ग्रुप बी का मुकाबला शनिवार को आयरलैंड और ओमान के बीच खेला गया। आयरलैंड ने शानदार खेल दिखाते हुए ओमान पर 96 रन से बड़ी जीत दर्ज की है। 236 रन के पहाड़ से लक्ष्य का पीछा करने उतरी ओमान की टीम की तरफ से सिर्फ 2 बल्लेबाज ही आयरलैंड के गेंदबाजों का मजबूती से सामना कर सके। सलामी बल्लेबाज आमिर कलीम ने 29 गेंद पर 2 छक्कों और 5 चौकों की मदद से 50 रन की पारी खेली। इसके अलावा चौथे नंबर पर आए हम्माद मिर्जा ने 37 गेंद पर 1 छक्का और 6 चौकों की मदद से 46 रन बनाए। नौवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए सूफयान महमूद 10 रन बनाकर तीसरे श्रेष्ठ स्कोरर रहे। इसके अलावा कोई बल्लेबाज दो अंकों में प्रवेश नहीं कर सका। ओमान की टीम 18 ओवर में 139 पर सिमट गई। आयरलैंड के लिए जोशुआ लिटिल ने 4 ओवर में 16 रन देकर 3, मैथ्यू हम्फ्रेस ने 4 ओवर में 27 रन देकर 2, और बैरी मैकार्थी ने 3 ओवर में 32 रन देकर 2 विकेट लिए। जॉर्ज डॉकरेल ने 1 विकेट लिया।

टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी आयरलैंड ने खराब शुरुआत के बावजूद 5 विकेट पर 235 रन बनाए थे। एक समय 64 रन पर 4 विकेट गंवाकर मुश्किल में फंसी आयरलैंड कप्तान लॉर्कन टकर के 51 गेंदों पर 4 छक्कों और 10 चौकों की मदद से बनाए नाबाद 94 और गारेथ डेलानी के 30 गेंदों पर 4 छक्कों और 3 चौकों की मदद से बनाए 56 रनों और इन दोनों के बीच 5वें विकेट के लिए 56 गेंदों पर हुई 101 रन की साझेदारी के दम पर आयरलैंड ने 5 विकेट पर 235 रन बनाए। पारी के आखिर में डॉकरेल ने 9 गेंदों पर 5 छक्कों की मदद से विस्फोटक 35 रन की पारी खेली।

आयरलैंड का टी20 में यह सबसे बड़ा स्कोर है। वहीं, यह टी20 विश्व कप इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। टी20 विश्व कप 2026 का भी यह सबसे बड़ा स्कोर है। विश्व कप के तीसरे मैच में आयरलैंड की यह पहली जीत है।

महाशिवरात्रि पर शिवालयों में उमड़ा भक्तों का सैलाब

गैबीनाथ धाम में जलाभिषेक, शाम को निकलेगी शिव बारात

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। महाशिवरात्रि का पर्व इस वर्ष भी आस्था और उत्साह के साथ मनाया गया। जिले भर के शिवालयों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखी गईं, जहां भक्तों ने भगवान शिव का जलाभिषेक और विशेष पूजन-अर्चन किया। बिरसिंहपुर स्थित गैबीनाथ धाम में सुबह से दोपहर तक लगभग 70 हजार श्रद्धालुओं ने दर्शन कर पूजा-अर्चना की। चित्रकूट क्षेत्र के मत्स्येंद्रनाथ मंदिर सहित कर्मदेश्वर धाम, जगतदेव तालाब मंदिर और पशुपतिनाथ मंदिर जैसे अनेक शिवालयों में भी दिनभर पूजा, भजन और आरती का क्रम जारी रहा। इस दौरान मंदिरों में 'हर हर महादेव' और 'बम बम भोले' के जयघोष गूंजते रहे, जिससे वातावरण भक्तिमय बना रहा। कई स्थानों पर भंडारों का आयोजन कर श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। गैबीनाथ धाम में शाम को शिव बारात निकालने की भी तैयारी है। महाशिवरात्रि हिंदू धर्म का एक प्रमुख पर्व है, जिसे भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह दिवस के रूप में मनाया जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन व्रत रखने और विधि-विधान से शिव पूजन करने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। श्रद्धालु रात्रि जागरण कर शिव मंत्रों का जप करते हैं और बेलपत्र, धतूरा, दूध तथा गंगाजल से शिवलिंग का अभिषेक करते हैं। कई स्थानों पर पार्थिव शिवलिंग बनाकर विशेष पूजा की गई, जिसके बाद मिट्टी से बने शिवलिंग का जल में विसर्जन किया गया। प्रशासन की ओर से प्रमुख मंदिरों में सुरक्षा और व्यवस्थाओं के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। शहर के सिंधी कैंप कालोनी में भक्तों ने महाशिवरात्रि पर शिव पार्वती की आकर्षक झांकियां सजाई हैं। जहां काफी संख्या में श्रद्धालु पहुंच कर पूजा पाठ कर रहे है। झांकी में शिवलिंग का श्रृंगार तिरंगे के रूप में किया गया है। इसके अलावा कैलाश पर्वत और शिव जटाओं से गंगा जी के निकलने को आकर्षक ढंग से दिखाया गया है। बिरसिंहपुर स्थित गैबीनाथ धाम में रविवार सुबह 4 बजे शिवलिंग का मंगलाभिषेक किया गया। भोलेनाथ को दूध, दही, घी, मधु, शक्कर और गंगाजल से पवित्र स्नान कराया गया। इसके बाद अस्तगंधा, अबीर और भांग सहित विविध पूजन सामग्रियों से विधिवत अभिषेक सम्पन्न हुआ। अनुष्ठान के दौरान वैदिक मंत्रोच्चार और भजन-कीर्तन से पूरा परिसर भक्तिमय बना रहा। अभिषेक उपरांत भगवान का विभिन्न प्रकार के फूलों, बेलपत्र और फलों से आकर्षक श्रृंगार किया गया। जिसके बाद भव्य आरती उतारी गई। इसके बाद सुबह 5 बजे गर्भगृह के पट भक्तों के लिए खोल दिए गए। दोपहर तक लगभग 70 हजार भक्तों ने भोलेनाथ के दर्शन कर आशीर्वाद ले लिया था। देर रात तक लगभग डेढ़ लाख भक्तों के यहां पहुंचने का अनुमान है। भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने गर्भगृह में भक्तों का प्रवेश प्रतिबंधित किया है। भक्त जलधारी के माध्यम से शिवलिंग का जलाभिषेक कर रहे है।दोपहर में श्रद्धालुओं के लिए 56 किलो सामग्री से तैयार विभिन्न प्रकार के प्रसाद का छप्पन भोग अर्पित किया जाएगा। संध्या आरती के बाद भगवान की बारात शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे। आयोजन को लेकर भक्तों में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

शराब के लिए पैसे मांगने पर मारपीट, 2 युवक गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। शहर में कानून व्यवस्था को चुनौती देने वाले तत्वों के खिलाफ सिटी कोतवाली पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए शराब पीने के लिए पैसे मांगकर मारपीट करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने राह चलते एक युवक से जबरन शराब पीने के लिए पैसे मांगे। पीड़ित द्वारा पैसे देने से इंकार करने पर दोनों आरोपियों ने उसके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

घटना की सूचना मिलते ही सिटी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और पीड़ित के बयान के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान राज कोल पिता परदेशी कोल उम्र 19 वर्ष तथा मुकेश उर्फ मुक्कू कोल पिता सुरेश कोल उम्र 19 वर्ष के रूप में हुई है। दोनों आरोपी बाँधी मौहार अहरी टोला के निवासी बताए जा रहे हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शहर में शांति भंग करने और आम नागरिकों से मारपीट करने वालों के खिलाफ भविष्य में भी इसी तरह कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

किराना, पशु आहार दुकान पर छापा, बिना लाइसेंस दवाएं मिलीं 600 ऑक्सीटोसिन एम्पुल और 18 किस्म की दवाएं जब्त

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। खाद्य एवं औषधि विभाग की संयुक्त टीम ने शनिवार को बिरला रोड स्थित एक पशु आहार और कैलाश किराना दुकान पर छापा मारा। कार्रवाई में बिना ड्रग लाइसेंस के बेची जा रही पशुओं की दवाएं जब्त की गईं। टीम को 600 ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन के एम्पुल और पशुओं के उपचार में इस्तेमाल होने वाली 18 किस्म की अन्य दवाएं मिलीं। यह संयुक्त टीम कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस के निर्देश पर गठित की गई थी। दुकानदारों ने बताया कि इन इंजेक्शनों का उपयोग भैंसों में दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए किया जाता था। इस संयुक्त टीम में ड्रग इंस्पेक्टर प्रियंका चौबे, फूड सेफ्टी ऑफिसर अभिषेक बिहारी गौड़, शीतल सिंह और कोलगवां थाना का पुलिस बल शामिल था। ड्रग इंस्पेक्टर ने ऑक्सीटोसिन एम्पुल के नमूने लिए। सभी बरामद दवाओं और सामग्री को औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 तथा नियमावली 1945 के तहत जब्त कर लिया गया है। अधिकारियों के अनुसार, संदिग्ध ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन के नमूनों को राज्य औषधि परीक्षण प्रयोगशाला भेजा जाएगा। रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। जांच में दोनों प्रतिष्ठानों के पास आवश्यक ड्रग लाइसेंस नहीं मिला। खाद्य एवं औषधि विभाग के अभिहित अधिकारी डॉ. मनोज शुक्ला ने बताया कि पशुओं में अवैध रूप से उपयोग किए जाने वाले इंजेक्शन मानव स्वास्थ्य के लिए भी हानिकारक हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में सख्ती बरती जा रही है और जिले में अवैध दवा बिक्री तथा बिना लाइसेंस संचालित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध अभियान जारी रहेगा। नागौद में लिए पनीर, घी-दूध और खोया के नमूने दूसरी ओर, विभागीय टीम ने नागौद स्थित न्यू गणेश डेयरी एवं प्रेम दूध डेयरी में निरीक्षण कर खाद्य सामग्री के नमूने लिए। जांच के दौरान न्यू गणेश डेयरी से पनीर के दो नमूने संग्रहित किए गए, जबकि प्रेम दूध डेयरी से पनीर, घी, दूध एवं खोवा के नमूने लिए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि सभी नमूनों को जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा जाएगा। खाद्य सुरक्षा विभाग ने कहा है कि शादी के सीजन में मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री पर रोक लगाने के लिए जिले में जांच अभियान लगातार जारी रहेगा।

मौत का हाईवे बना मैहर-बरही मार्ग, ओवरलोड ट्रकों का तांडव; प्रशासन की खामोशी से बढ़ता खतरा

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मैहर-बरही मार्ग पर इन दिनों ओवरलोड ट्रकों का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। क्षमता से कई गुना अधिक गिट्टी पत्थर और खनिज लादकर तेज रफ्तार में दौड़ते भारी वाहन आम नागरिकों की जान के लिए खुली चुनौती बने हुए हैं। दिन हो या रात सड़क पर ट्रकों की लंबी कतारें फर्राटा भरती नजर आती हैं जिससे स्थानीय लोगों में डर और आक्रोश दोनों बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों और नियमित यात्रियों का कहना है कि ओवरलोडिंग के कारण सड़क की हालत बद से बदतर हो चुकी है। कई स्थानों पर गहरे गड्ढे धंसी हुई सतह और टूटे किनारे हादसों को न्योता दे रहे हैं। बाइक सवारों साइकिल चालकों और स्कूली बच्चों के लिए यह मार्ग अब जोखिम भरा साबित हो रहा है। बावजूद इसके जिम्मेदार विभागों द्वारा कोई ठोस कार्रवाई न किए जाने से लोगों में नाराजगी है।

स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि खनिज परिवहन से जुड़े प्रभावशाली लोगों के दबाव में नियम-कानून ताक पर रख दिए गए हैं। शिकायतों और ज्ञापनों के बाद भी न तो नियमित चेकिंग अभियान चलाए जा रहे हैं और न ही ओवरलोड वाहनों पर सख्त जुर्माना लगाया जा रहा है। नतीजतन ट्रक चालक बेखौफ होकर तेज रफ्तार में नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। पिछले कुछ समय में इस मार्ग पर कई छोटे-बड़े हादसे हो चुके हैं। कहीं ब्रेक फेल होने से ट्रक अनियंत्रित हुआ तो कहीं तेज रफ्तार के कारण आमने-सामने की टक्कर हुई। सौभाग्य से कुछ घटनाओं में जानें बच गईं लेकिन लोग आशंकित हैं कि अगर यही हाल रहा तो किसी दिन बड़ा हादसा तय है।

चार्ज अधिकारियों का प्रशिक्षण 17 से 20 फरवरी तक आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जनगणना 2027 का कार्य दो चरणों में संपादित किया जाना है। प्रथम चरण अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य 1 मई से 30 मई 2026 तक किया जाएगा। इसके लिए जिला स्तर पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रातः 10.30 बजे से सायं 5 बजे तक कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभागार में आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत जिला स्तर एवं ग्रामीण क्षेत्र के चार्ज अधिकारियों को 17 एवं 18 फरवरी तथा नगरीय चार्ज अधिकारियों को 19 एवं 20 फरवरी 2026 को प्रशिक्षण दिया जाएगा। कलेक्टर सतना डॉ. सतीश कुमार एस ने निर्देश दिए हैं कि सभी संबंधित अधिकारी एवं चार्ज अधिकारी अपने जनगणना सहायक लिपिक के साथ अनिवार्य रूप से उपस्थित रहना सुनिश्चित करें, ताकि जनगणना कार्य समयबद्ध एवं सुचारु रूप से संपन्न कराया जा सके।

खनिज माफिया बेलगाम, विभाग मौन; चितगढ़ में वैध खदान की आड़ में अवैध खनन-परिवहन का खेल उजागर

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले में खनिज विभाग की कथित मिलीभगत से अवैध खनन और परिवहन खुलेआम जारी है। पिटपासधारी अपनी वैध खदानों में खनन करने के बजाय अवैध खननकर्ताओं को ट्रांजिट पास (टीपी) बेचकर नियमों को ठेंगा दिखा रहे हैं। ताजा मामला चितगढ़ का है जहां स्थानीय लोगों का आरोप है कि वैध खदान की आड़ में सरकारी और निजी जमीनों पर बड़े पैमाने पर अवैध खनन किया जा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार इस अवैध गतिविधि की शिकायत खनिज विभाग से लेकर कलेक्टर तक की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उल्टा, शिकायत करने वालों की पहचान कथित तौर पर विभागीय कर्मचारियों द्वारा उजागर कर दी जाती है जिससे उन्हें धमकियां मिल रही हैं। इससे क्षेत्र में भय का माहौल है और लोग खुलकर शिकायत करने से कतराने लगे हैं।

स्थानीय निवासी बताते हैं कि उन्होंने अप्रैल माह में खनिज विभाग को लिखित सूचना दी थी। शिकायत में स्पष्ट किया गया था कि उनकी निजी आराजी पर दबंग अवैध खनन कर रहे हैं। उन्होंने खनन करने वालों के नाम भी बताए थे। आरोप है कि पंचायत के एक जनप्रतिनिधि सहित उनके सहयोगी इस अवैध खनन में सक्रिय हैं और चितगढ़ के लीजधारी की टीपी खरीदकर अवैध परिवहन में उपयोग कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि खनिज महकमे को वैध खदान के खनित क्षेत्र जारी की गई टीपी और वास्तविक परिवहन का मिलान करना चाहिए जिससे पूरा फर्जीवाड़ा सामने आ सकता है। मगर विभागीय चुप्पी कई सवाल खड़े कर रही है। आरोप यह भी है कि जब कभी दबाव बढ़ता है या लक्ष्य पूर्ति का समय आता है तब खानापूर्ति के तौर पर दिखावटी कार्रवाई कर दी जाती है। अब सवाल यह है कि क्या प्रशासन अवैध खनन के इस संगठित खेल पर लगाम लगाएगा या फिर खनिज माफिया यूं ही सरकारी खजाने को चपत लगाता रहेगा? जिले की निगाहें अब प्रशासन की अगली कार्रवाई पर टिकी हैं।

मकान विवाद में मारपीट, सीसीटीवी फुटेज आया सामने कार में तोड़फोड़ का भी आरोप; पुलिस जांच जारी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत मुक्तियारगंज में मकान खरीदने के विवाद को लेकर मारपीट और कार में तोड़फोड़ का मामला सामने आया है। घटना 13 फरवरी की है, जिसका सीसीटीवी वीडियो शनिवार को सामने आया। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, मुक्तियारगंज स्वामी चौक निवासी 38 वर्षीय मुकेश कुमार विश्वकर्मा ने सिटी कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि उन्होंने कमला प्रसाद विश्वकर्मा के मकान के पास एक नया घर खरीदा है, जिसकी इन दिनों मरम्मत और पुताई का काम चल रहा है। कमला प्रसाद भी यह मकान खरीदना चाहते थे, जिसके कारण वह आए दिन विवाद करते थे। शिकायत के मुताबिक, शुक्रवार सुबह करीब 7:40 बजे कमला प्रसाद मकान के गेट पर लकड़ी रख रहे थे। जब मुकेश ने इसका विरोध किया, तो आरोपी ने गाली-गलौज शुरू कर दी। मुकेश द्वारा मना करने पर कमला प्रसाद विश्वकर्मा ने मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि इसी दौरान आरोपी घर के भीतर घुस गया और लाठी से मुकेश की पत्नी कुसुमा देवी विश्वकर्मा के सिर पर हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़ीं। घायल कुसुमा देवी को मुकेश द्वारा जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। पीड़ित का यह भी आरोप है कि मारपीट के बाद आरोपी ने उनकी कार पर पत्थर मारकर उसे क्षतिग्रस्त कर दिया और जान से मारने की धमकी भी दी। सिटी कोतवाली पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने बताया कि शिकायत मिलने पर मामले की जांच की जा रही है और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सतना में कानून को ठेंगा! महाशिवरात्रि पर संतोषी माता चौक बना स्टंट जोन यातायात चौकी पर उठे सवाल

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। एक तरफ मध्य प्रदेश पुलिस की यातायात शाखा तेज आवाज वाली कनफोड़ू मोटरसाइकिलों पर कार्रवाई कर फोटो सेशन के जरिए अपनी पीठ थपथपाती नजर आती है, वहीं दूसरी तरफ शहर का संतोषी माता चौक कानून व्यवस्था की पोल खोलता दिख रहा है। महुआ बस्ती के मनचले युवक खुलेआम तेज रफ्तार, खतरनाक स्टंट और धमाकेदार साइलेंसर के साथ सड़कों पर उतरकर पुलिस को ठेंगा दिखा रहे हैं। महाशिवरात्रि जैसे पावन पर्व पर जहां श्रद्धा भक्ति और अनुशासन की अपेक्षा होती है वहीं संतोषी माता चौक पर हालात इसके बिल्कुल उलट रहे। देर शाम से ही दर्जनों बाइक सवार युवक साइलेंसर निकालकर ऐसी आवाजें निकालते रहे कि राहगीरों के कान सुन्न हो गए।

महिलाएं बुजुर्ग और बच्चे भय के माहौल में घरों में दुबकने को मजबूर रहे। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इसी चौक पर यातायात पुलिस की चौकी मौजूद है लेकिन स्थानीय लोगों का कहना है कि यह चौकी अब सिर्फ नाम की रह गई है। यह चौकी अब ड्यूटी के लिए नहीं देखने के लिए रह गई है यह कहना है एक स्थानीय दुकानदार का, जो रोज़ इस अराजकता का गवाह बनता है। सवाल उठता है कि जब चौकी मौजूद है, तो फिर इन मनचलों पर कार्रवाई क्यों नहीं प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कई बार शिकायत के बावजूद न तो नियमित पेट्रोलिंग होती है और न ही सख्त कार्रवाई। कभी-कभार किसी एक-दो बाइक पर चालान काटकर मामला रफा-दफा कर दिया जाता है, जबकि असली हुड़दंगी बेखौफ घूमते रहते हैं। इससे पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। शहर के सामाजिक संगठनों और जागरूक नागरिकों ने मांग की है कि फोटो खिंचवाने की कार्रवाई छोड़कर वास्तविक जमीनी कार्रवाई की जाए। महाशिवरात्रि आस्था का पर्व है कानून तोड़ने का लाइसेंस नहीं। यदि समय रहते सख्ती नहीं बरती गई तो यह अराजकता किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती है।

अब देखना यह है कि जिम्मेदार अधिकारी सिर्फ कागजी कार्रवाई और प्रचार तक सीमित रहते हैं या संतोषी माता चौक पर सच में कानून का डंडा चलता नजर आएगा। शहर की जनता जवाब चाहती है और वह भी तुरंत।

राज्य निर्वाचन आयोग का स्थापना दिवस समारोह

पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त रावत होंगे मुख्य अतिथि

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग का 32वां स्थापना दिवस समारोह 16 फरवरी को सुबह 11 बजे से आयोजित किया जायेगा। समारोह के मुख्य अतिथि भारत निर्वाचन आयोग के पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त ओ.पी. रावत होंगे। रावत वन नेशन-वन इलेक्शन में स्थानीय निर्वाचन की भूमिका विषय पर व्याख्यान देंगे। पूर्व राज्य निर्वाचन आयुक्त आर परशुराम स्थानीय निर्वाचन में सुधार की चुनौतियाँ विषय पर उद्बोधन देंगे। स्कूल ऑफ जर्नलिज्म के विभागाध्यक्ष नरेन्द्र कुमार सिंह जमीनी लोकतंत्र में पारदर्शी एवं निष्पक्ष चुनाव विषय पर और एडवोकेट सिद्धार्थ सेठ स्थानीय निर्वाचन में न्यायालयीन सबकष् विषय पर उद्बोधन देंगे। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग दीपक सिंह ने बताया है कि समारोह में आयोग के निर्वाचन साहित्य-ई बुक का विमोचन और प्रेक्षा मोबाइल ऐप का शुभारंभ किया जायेगा। साथ ही स्थानीय निर्वाचन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारी को प्रशस्ति पत्र भी वितरित किये जायेंगे।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह, निकाह सम्मेलन 12 को रामनगर में

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत रामनगर द्वारा बताया गया कि उप संचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण के निर्देशानुसार 12 मार्च को जनपद पंचायत रामनगर में मुख्यमंत्री कन्या विवाह, निकाह सम्मेलन का आयोजन किया जाना सुनिश्चित किया गया है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।